तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 121 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 31 जनवरी 2026 डाक 01 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

मुझे कोई जानकारी नहीं... सुनेत्रा को डिप्टी सीएम बनाए जाने के फैसले पर शरद पवार का बड़ा बयान

मुंबई, 31 जनवरी [एजेंसी]।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने की चर्चा चल रही है। सुनेत्र पवार आज अपने बेटे पार्थ के साथ मुंबई पहुंच गई हैं। बताया जा रहा है कि वह आज महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम पद के लिए शपथ ले सकती हैं। इस बीच शरद पवार ने सुनेत्रा पवार के शपथ को लेकर बड़ा बयान दिया है। शरद पवार ने शनिवार को इस घटनाक्रम से खुद को दूर करते हुए कहा कि सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण की मुझे कोई जानकारी नहीं है। बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शरद पवार ने कहा, हमें शपथ ग्रहण के बारे में नहीं पता। हमें इसके बारे में खबरों से पता चला। मुझे शपथ ग्रहण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब शरद पवार से पूछा गया कि क्या शपथ ग्रहण समारोह में पवार परिवार से कोई शामिल होगा, इस पर उन्होंने कहा कि एनसीपी ने यह फैसला लिया होगा। उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे कुछ लोगों ने पहल की। इन लोगों ने कुछ तय किया होगा। शरद पवार ने आगे दावा किया, दोनों गुटों को एकजुट करना उनके दिवंगत भतीजे अजित पवार की इच्छा थी और वे इसके बारे में सोच थे। अब हमें लगता है कि उनकी इच्छा पूरी होनी चाहिए। अजीत पवार, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय के बारे में बातचीत शुरू की थी। विलय की तारीख भी तय हो गई थी- यह 12 तारीख (फरवरी) को तय था। दुर्भाग्य से, अजित उससे पहले हमें छोड़कर चले गए।

पीएम मोदी के जालंधर दौरे से पहले तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट मोड पर सुरक्षा एजेंसियां

जालंधर, 31 जनवरी एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक दिन पहले सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हड़कंप मच गया। शनिवार को शहर के तीन स्कूलों पुलिस डीएवी स्कूल, कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल और एमजीएम स्कूल को ई-मेल के जरिए बम धमाके की धमकी मिली।मेल में प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान डेरा बल्लां क्षेत्र में धमाके की चेतावनी दी गई है। धमकी भरे मेल में लिखा गया कि खालिस्तानियों का डेरे से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री उनके दुश्मन हैं। जैसे ही स्कूल प्रशासन को मेल की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत पुलिस विभागों को सूचित किया।

इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और हालात पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, इस मामले में पुलिस के किसी पुलिस अधिकारी ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए शहर में पहले से ही कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और पुलिस हर गतिविधि पर नजर रख रही है।

सरकार ने माना- नीट छात्रा की हत्या हुई, सीएम नीतीश कुमार ने सीबीआई जांच के लिए केंद्र को लिखा

पटना बिहार सरकार में गृह विभाग के मंत्री सम्राट चौधरी सहित राज्य सरकार ने मान लिया है कि पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। सम्राट चौधरी ने शनिवार सुबह जानकारी दी कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से पटना में हुए नीट छात्रा की हत्या के मामले की सीबीआई जांच का आग्रह किया है, ताकि घटना का पारदर्शी और न्यायपूर्ण तरीके से उद्भेदन निश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से कांड संख्या-14/26 के तहत दर्ज इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह मामला अत्यंत गंभीर है और इसकी निष्पक्ष, पारदर्शी व न्यायपूर्ण जांच जरूरी है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों को कड़ी सजा मिले। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीबीआई जांच से घटना का शीघ्र उद्भेदन होगा और पूरे प्रकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या साजिश की परतें उजागर हो सकेंगी। मामले को लेकर राज्यभर में आक्रोश का माहौल है और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। विपक्षी दल ने नेता इस मामले पर लगातार सवाल उठा रहे। तेजस्वी ने तो स्पष्ट कह दिया कि नीतीश सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।

अबूझमाड़ आज शांति, विश्वास और विकास के नए अध्याय की ओर बढ़ रहा है : सीएम साय

नारायणपुर, 31 जनवरी [एजेंसी]।

सीएम विष्णुदेव साय आज सुबह अबूझमाड़ पीस मैराथन फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में शामिल हुए। देर रात मुख्यमंत्री साय नारायणपुर में जवानों से मिले और हौसला बढ़ाया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने देर रात नारायणपुर प्रवास के दौरान आईटीबीटी बटालियन परिसर नारायणपुर में आईटीबीटी, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, बीएसएफ, डीआरजी, सीएएफ़ के जवानों एवं अधिकारियों से मुलाकात और बस्तर की शांति और सुरक्षा के स्थापना में उनके योगदान की सराहना करते हुए सुरक्षा बल के जवानों की हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री साय एवं मत्रीगणों ने बटालियन परिसर में जवानों के साथ रात्रि भोज किया और उनसे आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने जवानों से चर्चा करते हुए कहा कि नैसर्गिक संसाधनों से और सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण बस्तर के कई इलाकें माओवाद आतंक के चलते विकास की मुख्यधारा से अलग-थलग पड़े थे। आप सबके अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम के कारण ही यहां शांति और सुरक्षा का वातावरण निर्मित हुआ है और विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने देश की सुरक्षा में सुरक्षा बलों के जवानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में सेवा कर रहे जवानों का मनोबल बनाए रखना हम सबकी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने जवानों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण और सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। जवानों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए और इस आत्मीय मुलाकात को प्रेरणादायक बताया। ज्ञात हो कि नक्सल गतिविधि को नियंत्रण के लिए सुरक्षा कैम्प स्थापित कर केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य के सुरक्षा बलों के दस्तों को तैनात किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में गोलीबारी शुरू सुरक्षाबलों ने जैश के 3 आतंकियों को घेरा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के दोलगाम में छिपे आतंकियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को मार गिराने के लिए एनकाउंटर शुरू कर दिया है। फिलहाल दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार सुबह जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के डोलगाम इलाके में छिपे आतंकियों से फिर से संपर्क स्थापित किया। सेना ने कहा कि ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे जमीन पर लागू करने के लिए सभी स्रोतों से मिली खुफिया जानकारी को कोऑर्डिनेट किया गया। व्हाइट नाइट कोर ने ङ्ग शेयर किए पोस्ट में लिखा कि जम्मू-कश्मीर में चल रहे जॉइंट ऑपरेशन त्राशी-। के दौरान, 31 जनवरी की सुबह व्हाइट नाइट कोर, जम्मू और कश्मीर पुलिस और CRPF के जवानों ने दोलगाम के सामान्य इलाके में आतंकियों से फिर से संपर्क स्थापित किया।

हाईकोर्ट ने पुलिस के 'हाफ एनकाउंटर' पर सख्ती दिखाई, कहा- सजा देना न्यायपालिका का काम

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में बढ़ती पुलिस मुठभेड़ों, खासकर आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें एनकाउंटर बताने की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता जताई है। प्रयागराज में जस्टिस अरुण कुमार देशवाल की सिंगल बेंच ने साफ शब्दों में कहा कि पुलिस कानून से ऊपर नहीं है और अपराधी को सजा देना न्यायपालिका का काम है, न कि पुलिस का। अदालत ने कहा कि प्रमोशन, वाहवाही या सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के लिए गोली चलाने की प्रवृत्ति न केवल गलत बल्कि खतरनाक भी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी के शरीर के किसी गैर-जरूरी हिस्से पर गोली मारना भी कानूनन अस्वीकार्य है। किसी भी एनकाउंटर में यदि फायरिंग या गंभीर चोट होती है तो सख्त नियम स्वतः लागू होंगे। हाईकोर्ट ने पुलिस के लिए 6-पॉइंट गाइडलाइंस जारी करते हुए इनके पालन को अनिवार्य बताया और सुप्रीम कोर्ट के PUCL बनाम महाराष्ट्र मामले में तय दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया। अदालत ने चेतावनी दी कि यदि इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया, तो संबंधित SP और SSP को सीधे तौर पर जिम्मेदार माना जाएगा और व्यक्तिगत रूप से अवमानना की कार्रवाई हो सकती है। कोर्ट ने डीजीपी और गृह सचिव से यह भी पूछा है कि क्या पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के पैरों में गोली मारने या मुठभेड़ का दावा करने के लिए कोई मौखिक या लिखित निर्देश दिए गए थे। अदालत ने टिप्पणी की कि यह प्रथा अब नियमित होती जा रही है, जो या तो वरिष्ठ अधिकारियों को खुश करने या आरोपी को तथाकथित सबक सिखाने के उद्देश्य से की जाती है।

6 लाख की लूट, एसबीआई हेड ऑफिस के पास सनसनीखेज वारदात से हड़कंप

नई दिल्ली। हैदराबाद के कोटी इलाके में शनिवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। एसबीआई हेड ऑफिस के पास स्थित एटीएम के नजदीक हथियारबंद बदमाशों ने खुलेआम फायरिंग की और 6 लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई और कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 7 बजे की है। घायल व्यक्ति की पहचान राशीद के रूप में हुई है. वह नकद राशि जमा करने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने गोली चलाई और उसके पास मौजूद 6 लाख रुपये की नकदी लूट ली। फायरिंग के दौरान राशीद के पैर में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे इलाके को घेराबंदी कर छानबीन शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल से खाली कारतूस बरामद किए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने राशीद की गतिविधियों पर पहले से नजर रखी हुई थी।

हाईवे पर श्रद्धालुओं से भरी डबल डेकर बस पलटी, 10 घायल

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के जसवंतनगर इलाके में आगरा हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। चार धाम और बरसाना से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी डबल डेकर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में 45 यात्री सवार थे। इस दुर्घटना में करीब 10 श्रद्धालु घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस मथुरा के बरसाना से दर्शन करने के बाद जालौन जिले के उरई की ओर जा रही थी। जैसे ही वाहन आगरा हाईवे पर मलाजनी गांव के पास पहुंचा, उसी समय इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था।

खदान में 200 श्रमिकों की मौत भूस्खलन की घटना से दब गए मलबे में

पूर्वी कांगो। लोकतांत्रिक गणराज्य में स्थित रुबाया कोल्टन खदान में हुए भीषण भूस्खलन ने पूरे इलाके को दहला दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब सैकड़ों लोग खदान के भीतर काम कर रहे थे। प्रांत में विद्रोही समूह द्वारा नियुक्त गवर्नर के प्रवक्ता लुबुम्बा काम्बेरे मुइसा ने बताया कि भूस्खलन के समय खदान में मजदूरों के अलावा बच्चे और स्थानीय बाजार में काम करने वाली महिलाएं भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को गंभीर हालत में मलबे से बाहर निकाला गया, जिनमें से करीब 20 घायलों का इलाज स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में चल रहा है।

बार-बार हाथ फैलाने से शर्मसार शहबाज, पाकिस्तानी पीएम बोले- कर्ज मिला, लेकिन आत्मसम्मान को पहुंची ठेस

इस्लामाबाद, 31 जनवरी [एजेंसी]।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में कारोबारियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक हालत पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तब उसे अपने मित्र देशों से कर्ज मांगना पड़ा, जिससे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने चुपचाप कई देशों का दौरा किया और अरबों डॉलर के कर्ज की अपील की, ताकि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से राहत पैकेज मिल सके और विदेशी वित्तीय कमी को पूरा किया जा सके। शहबाज शरीफ ने कहा कि कर्ज लेने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। जब कोई देश कर्ज मांगता है तो उसे कई शर्तें और दबाव झेलने पड़ते हैं, जिनका कई बार कोई ठोस औचित्य भी नहीं होता। उन्होंने साफ शब्दों में माना कि ऐसे हालात में देश को दूसरों की शर्तें माननी पड़ती हैं, चाहे वे उचित हों या नहीं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कठिन समय में कई मित्र देशों ने मदद की, जिनमें चीन सबसे आगे रहा। उन्होंने इन देशों का आभार जताया, लेकिन साथ ही स्वीकार किया कि कर्ज लेने की एक कीमत चुकानी पड़ती है- और वह कीमत है राष्ट्रीय सम्मान से समझौता। यह पहली बार नहीं है जब शहबाज शरीफ ने इस तरह की बात कही हो। जनवरी 2023 में भी उन्होंने कहा था कि बार-बार कर्ज मांगना उन्हें शर्मिंदा करता है, खासकर तब जब सऊदी अरब जैसे देश पाकिस्तान की मदद करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि पाकिस्तान का लक्ष्य होना चाहिए कि वह आईएमएफ के कार्यक्रमों से बाहर निकले, आत्मनिर्भर बने और हमेशा कर्ज पर निर्भर रहने की नीति से छुटकारा पाए।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

पूर्व क्लर्क 17 करोड़ की संपत्ति का मालिक निकला छापेमारी कर विजिलेंस टीम ने किया खुलासा

गोरखपुर, 31 जनवरी [एजेंसी]।

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान की गोरखपुर सेक्टर की विजिलेंस टीम ने मऊ के पूर्व आपूर्ति क्लर्क गगन कुमार सिंह के बिहार और झारखंड स्थित ठिकानों पर सर्च कार्यवाही की। इसमें 17 करोड़ की संपत्ति का पता लगा है। यह कार्रवाई गगन कुमार के पैतृक आवास गुलनी कुशहा, थाना शम्भूगंज, जनपद बांका और भागलपुर (बिहार) और देवघर (झारखंड) में स्थित भवन, गोदाम और फ्लैट पर की गई है। गगन सिंह के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के तथ्य सामने आने पर शासन ने अभियोग पंजीकृत कर विवेचना के आदेश दिए थे। इसी क्रम में गोरखपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान विवेचक निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय ने न्यायालय से सर्च वारंट प्राप्त कर सर्च के लिए चार टीमों का गठन किया था। टीम का नेतृत्व क्रमशः निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय, अनूप कुमार भारतीय, शाहिद अहमद और विद्यासागर पाण्डेय ने किया। सर्च की यह कार्रवाई गोरखपुर सेक्टर की 24 सदस्यीय टीम, एक ज्वेलरी वैल्यूअर और आठ स्वतंत्र साक्षियों की मौजूदगी में की गई, जो करीब करीब छह घंटे तक चली। पैतृक गांव गुलनी कुशहा, जनपद बांका से लगभग 4.40 लाख रुपये मूल्य का फर्नीचर, कंप्यूटर, एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल तथा बैंक खातों की पासबुक व चेकबुक बरामद की गई। गुलनी कुशहा में निर्मित मकान व गोदाम की कीमत लगभग 4.29 करोड़ रुपये, बांका शहरी क्षेत्र में स्थित मकान की कीमत करीब 1.70 करोड़ रुपये, भागलपुर में फ्लैट की कीमत लगभग 34 लाख रुपये तथा देवघर में मकान की कीमत करीब 1.17 करोड़ रुपये आंकी गई। कृषि एवं आवासीय प्लॉट से संबंधित 33 बैनामे भी पाए गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी को आएंगी बस्तर

जगदलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी को बस्तर आएंगी। जगदलपुर के लाल बाग मैदान में आयोजित होने वाले बस्तर पंडुम के संभाग स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। वे बस्तर आने वाली पांचवीं राष्ट्रपति होंगी। अंतिम बार 8 साल पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बस्तर के दंतेवाड़ा दौरे पर आए थे। जगदलपुर के लालबाग मैदान में तैयारियां चल रही हैं। सुरक्षा, यातायात, बैठक व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं को लेकर जिला प्रशासन लगातार समीक्षा कर रहा है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए बस्तर संभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद हैं।

प्रकृति का संतुलन बनाते हैं वन्य प्राणी:अर्चना

कोरबा। करतला विकासखंड के ग्राम कनकी स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में वन्यजीव संरक्षण को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पीपीटी एवं डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से विद्यार्थियों को वन्य जीवों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल प्रबंधन द्वारा वन विभाग के अधिकारियों एवं नोवा नेचर संस्था की टीम का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने से हुई। इसके पश्चात रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी ने विद्यार्थियों को बताया कि वन्य जीवों का संरक्षण क्यों आवश्यक है और इसका पर्यावरण संतुलन से क्या गहरा संबंध है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विषैले एवं विषहीन सांपों की पहचान, सर्पदंश की स्थिति में क्या करें और क्या न करें, साथ ही कनकी क्षेत्र में आने वाले प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। इसके अलावा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की महत्वपूर्ण धाराओं को भी सरल भाषा में समझाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांपों से जुड़ी कई मिथकों पर उत्सुकता के साथ सवाल-जवाब किए। सहायक वन संरक्षक (प्रशिक्षु) अर्चना पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण में छोटे से कीट-पतंग से लेकर विशालकाय हाथी तक, हर जीव का अपना विशेष महत्व होता है। सभी जीव मिलकर ही प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं, इसलिए उनका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक (प्रशिक्षु) अर्चना पैकरा, प्राचार्य प्रहलाद कौशिक, प्रभारी प्राचार्य बी.एन. यादव, वन समिति अध्यक्ष नर्मदा शंकर रजवाड़े, जनप्रतिनिधि गोरे लाल मांझी, कनकी युवा समिति सचिव बसंत रजवाड़े, रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी सहित भूपेंद्र जगत, सी.एल. पटेल, जे.एस. कंवर, विंदू यादव, अनिता देवदास, ममता सिंह ठाकुर, अल्मा बेक सोनवानी, ऋचा पांडे, बसंत हिमधर, नवल उपाध्याय, याचना राजवाड़े, अंजू रात्रे, ए.एल. कंवर, खुशबू सोनी, शांता पाटनवार, सुलोचना बागले, वर्षा राजवाड़े, ललिता राजवाड़े, पूनम हलवाई सहित वन विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

नशा मुक्ति का संकल्प लिया निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारी कर्मचारियों ने महात्मा गांधी की पुन्यतिथि के अवसर पर नशामुक्ति का संकल्प लिया तथा शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया। अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने साकेत भवन परिसर में अधिकारी कर्मचारियों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया।

निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने नशामुक्ति का संकल्प लेते हुए कहा कि हमें ज्ञात है कि नशापान से मानसिक असंतुलन की स्थिति बनती है और आत्मविश्वास कम हो जाता है, नशापान से कार्य करने की क्षमता कम हो जाती है तथा व्यक्ति भ्रमित हो जाता है, जिससे जीवन में भटकाव की स्थिति निर्मित होती है। नशापान से शारीरिक एवं मानसिक गभीर व्याधियां होती है, जिससे असमय मृत्यु हो सकती है। नशापान से सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती है, तथा समाज से प्राय: उपेक्षा मिलती है, जिससे जीवन कष्ट प्रद हो जाता है। नशापान से पारिवारिक सुख एवं समृद्धि का अंत होता है, जिससे मनुष्य विचलित होकर संकटमय जीवन व्यतीत करता है। नशापान से वातावरण प्रदूषित होता है, जिससे हमारे परिवार के बच्चे अधिक प्रभावित होते है, जो सभ्य समाज के लिए लज्जाजनक है। नशापान उच्च स्तरीय जीवनशैली का प्रतीक नहीं है, अपितू अज्ञानता में लिया गया निर्णय है, अत: हम संकल्प लेते हैं कि नशामुक्त भारत अभियान को सफल बनाने, अपने छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने, अपने परिवार में हर्षोल्लास रखने, तन, मन, धन को सुदृढ़ बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सभी वर्ग के व्यक्तियों में नशापान के दुष्परिणामों को प्रचारित कर यथासंभव नशा पीड़ितों से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित करेंगे तथा हम आजीवन नशामुक्त रहेंगे।इस अवसर पर उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, लेखाधिकारी भवकांत नायक, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, उप अभियंता गुलिस्ता साहू, जनसंपर्क अधिकारी रावेन्द्र सिंह, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, अरविंद वानखेड़े, दिवाकांत जायसवाल, उत्तम साहू, तीजराम साहू, अरविंद सिंह, भावेश यादव, एन.पी.देवांगन, द्वासराम साहू, अरूण मिश्रा, अरूण वर्मा, बनवारी शर्मा, कृष्णादास महंत, भूपेन्द्र, शंकर साहू, रामबाई, तिरिथ बाई, विकास टण्डन, अशोक जायसवाल, संतोष यादव, रमेश, महेन्द्र यादव आदि उपस्थित थे।

स्वच्छता संकल्प पर 'गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड' बनाने 06 फरवरी को घंटाघर में जुटेगा नगर

कोरबा। महासंकल्प 2026 के तहत 01 घंटे की समय सीमा में स्वच्छता शपथ के एक ही बैनर पर 8000 लोगों द्वारा हस्ताक्षर कर 'गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड' कायम करने हेतु 06 फरवरी शुक्रवार को हमारा कोरबा घंटाघर से रविशंकर नगर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जुटेगा तथा प्रबल संकल्प शक्ति का परिचय देते हुए 'गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड' को अपनी झोली में डालेगा।महासंकल्प 2026 के बैनर तले कलेक्टर कुणाल दुदावत व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा-निर्देशन में निगम व जिला प्रशासन 'गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड' की तैयारियो को अंजाम देने में जुट गया है, यहॉ यह उल्लेख करना लाजमी होगा कि स्वच्छता शपथ के एक ही बैनर में 01 घंटे की समय सीमा में साढ़े 07 हजार हस्ताक्षर कराने का 'गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड' अभी उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ के नाम पर है, अब इस रिकार्ड को क्रेक कर नया रिकार्ड बनाने एवं 'गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड' को अपने नाम करने के लिए हमारा कोरबा पूरे संकल्प शक्ति के साथ आ खड़ा हुआ है। कोरबा के लिए कुछ नया करने एवं यहॉ के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि हासिल करने की चाहत लिए जिले के कलेक्टर कुणाल दुदावत तथा कोरबा के विकास के लिए दृढ़इच्छा रखने वाली महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की इस नूतन पहल को अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय को दी गई है।आयुक्त श्री पाण्डेय ने आज इस हेतु बैठकों का दौर जारी करते हुए कोरबा के महाविद्यालयों व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बृहतर आयोजन की रूपरेखा व तैयारियों पर उनके साथ मंथन किया। वहीं विद्यालयों, विभागों, संस्थाओं, संगठनों, प्रतिष्ठानों आदि के साथ बैठक कर तैयारियों पर मंथन एवं सभी की सहभागिता हेतु लगातार बैठकों का दौर जारी रहेगा।

विभागीय कार्यो की कार्यप्रगति की करी समीक्षा

महापौर राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में अधिकारियों की ली बैठक

कोरबा। कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम के अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा है कि निगम द्वारा वार्ड एवं बस्तियों में कराए जा रहे विकास कार्यो को समयसीमा में पूरा कराएं तथा अप्रारंभ कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कराएं। कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें, कार्यो में गुणवत्ता की कमी कदापि स्वीकार्य नहीं होगी, अत: जिम्मेदार अधिकारी निर्माण कार्यो की नियमित मानीटरिंग अनिवार्य रूप से करें। महापौर श्रीमती राजपूत ने निर्देश देते हुए कहा कि शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई व्यवस्था में और अधिक कसावट लाएं, उद्यानों की व्यवस्थाओं को ठीक करें एवं सड़क रोशनी व्यवस्था व पेयजल की सुचारू रूप से नियमित व पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कराएं।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में निगम के अभियंताओं व अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की बिन्दुवार विस्तार से समीक्षा की, बैठक के दौरान निगम क्षेत्र की साफ-सफाई व्यवस्था, उद्यानों की व्यवस्था, पेयजल की सुचारू आपूर्ति, सड़क रोशनी व्यवस्था की बेहतरी सहित निर्माण कार्यो की गुणवत्ता, समयसीमा पर कार्यो को पूरा कराने आदि पर विशेष फोकस रहा। महापौर श्रीमती राजपूत ने निगम द्वारा जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, निगम मद, प्रभारी मंत्री मद, महापौर व पार्षद मद, सांसद मद, विधायक मद, सीएसआर मद, वित्त आयोग मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत किए जाने वाले विकास व निर्माण कार्यो की वर्तमान कार्यप्रगति

की मदवार व जोनवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होने निगम के अभियंताओं से कहा कि निगम के वार्ड एवं बस्तियों में जो कार्य वर्तमान में प्रगतिरत हैं, उनके कार्यो में तेजी लाएं, कार्य के दौरान अभियंतागण नियमित मानीटरिंग करते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित कराएं तथा समयसीमा में कार्यो को पूरा करें ताकि इनका लाभ वार्ड के नागरिकों को प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान महापौर श्रीमती राजपूत ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था व स्वच्छता कार्यो की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि साफ-सफाई कार्यो में और अधिक बेहतरी लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं, उपलब्ध संसाधनों को पूरा-पूरा उपयोग करें, निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप साफ-सफाई कार्य संपातिद हों, यह सुनिश्चित कराएं। उन्होने कहा कि यह विशेष रूप से ध्यान रखें कि सफाई कार्य के दौरान उत्सर्जित कचरे का स्थल से उठाव व परिवहन तत्काल कर लिया जाए, कचरा स्थल पर डम्प न रहें, यह भी सुनिश्चित कराएं। महापौर ने निगम क्षेत्र में स्थित उद्यानों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम क्षेत्र में स्थित निगम के उद्यानों का नियमित निरीक्षण कर वहॉं की साफ-सफाई तथा उद्यानों में स्थापित ओपनजिम उपकरण, बच्चों के खेलकूद उपकरण आदि की स्थिति का अवलोकन करते हुए आवश्यकतानुसार मरम्मत व सुधार कार्य कर उद्यानों की व्यवस्थाओं को सुधारे ताकि इनका लाभ बच्चों व आमजन को समुचित रूप से मिल सके।

धान खरीदी की तारीख बढ़ाने कई जगहों पर प्रदर्शन

कोरबा। रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया के नेतृत्व एवं नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष श्रवण राठिया , संतोष देवांगन , इंजोर सिंह कंवर की अगुवाई में विधानसभा रामपुर क्षेत्र अन्तर्गत मनरेगा बचाओं संग्राम कार्यक्रम एवं धान खरीदी की तारिख बढ़ाने के लिए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण के ग्राम बेन्दरकोना गोढ़ी,बरपाली ब्लॉक के उमरेली ,करतला ब्लॉक के पिडिया चौक में शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन किया गया।

चोरी के कोयले और अवैध ईंट भट्ठे राजस्व को लगा रहे चूना, नानपुलाली में घर- घर ईंट निर्माण और चल रहा बिक्री कार्य

कोरबा/पाली । पाली तहसील अंतर्गत नानपुलाली में घर- घर अवैध ईंट निर्माण का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है। संबंधित विभाग के जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्रवाई न किये जाने से कोयला चोरी एवं रेत चोरी की वारदातें आम हो गई है। जहां प्राकृतिक संपदा का दोहन कर पर्यावरण को हानि पहुँचाई जा रही है वहीं शासन को भी राजस्व में नुकसान सहना पड़ा रहा है।

नानपुलाली में वर्तमान घर- घर ईंट भट्ठे सुलगते दिखाई दे रहे है। जिसकी कोई जांच या कार्रवाई नही होने से ईंट निर्माण करने वाले ग्रामीणों के हौसले बुलंद है। इन ईंट भट्ठों में बुड़बुड़ खुली खदान से चोरी कर लाए गए कोयले का उपयोग हो रहा है। प्रशासनिक अमला सीधे तौर पर कार्रवाई न कर पाए इसलिए 15 से 20 हजार तक का एक- एक भट्ठा तैयार करके यह अवैध धंधा संचालित किया जा रहा है। जिससे लोगों को कोयले के जहरीले धुंए का भी सामना करना पड़ रहा है। यह ईंट आसपास ग्रामों में प्रधानमंत्री आवास और अन्य कई निर्माण कार्यों में ऊंची कीमत पर बेची जा रही है। जिसकी न तो अनुमति का पता न रॉयल्टी का पता। समीप खदान से कोयले की चोरी के काम मे 16- 17 साल के नाबालिग लड़कों को काम पर लगाया गया है, जो पढ़ाई- लिखाई छोड़कर नशे का खर्च निकालने के लिए कोयला चोरी करते है और साइकिल व बाइक के माध्यम से इन्ही ईंट भट्ठों में पहुँचाकर अपना खर्च निकालते है। प्रशासन और कॉलरी प्रबंधन की उदासीनता से नानपुलाली में अवैध ईंट भट्ठे दिन ब दिन गुलजार होते जा रहे है। इससे खुली खदान से कोयला चोरी की घटनाओं में भी जमकर इजाफा हुआ है। कोयला खदान की सुरक्षा में लगे त्रिपुरा राइफल के जवान न तो धरपकड़ की कार्रवाई कर पा रहे है और न ही कोयला चोरी पर रोक लगा पा रहे है। वहीं ईंट भट्ठे पकाने वाले शासन की अनुमति के बिना ईंट भट्ठों को संचालित कर रहे है। ईंट भट्ठों के मालिकों के पास कोई भी जायज कागज या लाइसेंस नही है। ऐसे में अवैध तरीके से पकाई जा रही ईंटें न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचा रहा है। जिसकी जांच और कार्रवाई अति आवश्यक है। क्षेत्र के पर्यावरण प्रेमी, समाजसेवियों ने जिले के खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से अपील की है कि क्षेत्र में अवैध रूप से धधक रहे ईंट भट्ठों की जांच कर उचित कार्रवाई करें ताकि पर्यावरण के साथ राजस्व हानि को बचाया जा सके।

कन्नौजिया राठौर समाज के नवीन सामाजिक भवन का लोकार्पण कल

कोरबा । कन्नौजिया राठौर समाज का शहर में अपना द्वितीय सामाजिक भवन मैगजीन भाटा वार्ड क्र. 34 दादरखुर्द में निर्मित किया गया है। जिसका लोकार्पण व वार्षिक सम्मेलन का आयोजन 1 फरवरी को दोपहर 3 बजे कन्नौजिया राठौर समाज नवीन सामाजिक भवन में किया गया है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आनंद मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेगा। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनलाल देवांगन कैबिनेट मंत्री होंगे। विशिष्ट अतिथियों में संजू देवी राजपूत महापौर, गोपाल मोदी भाजपा जिला अध्यक्ष होंगे। अध्यक्षता हेमचंद राठौर प्रांतीय अध्यक्ष कन्नौजिया राठौर समाज करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट आतिथ्य नूतन सिंह ठाकुर सभापति नगर पालिक निगम, डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह राठौर महासचिव कन्नौजिया राठौर समाज, नरेन्द्र देवांगन पार्षद, सुनीता चौहान पार्षद, वार्ड क्र. 34 दादरखुर्द का रहेगा।सीताराम राठौर अध्यक्ष कन्नौजिया राठौर समाज, छबीराम राठौर कोषाध्यक्ष कन्नौजिया राठौर समाज, हरीश कुमार राठौर सचिव कन्नौजिया राठौर समाज ने समाजजनों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार राजेन्द्र आनंद पिता मुकुल आनंद ,अनुसूचित जाति निवासी इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक 03 जिला-कोरबा का (छ.ग.) का योगिता पिता साधुराम जाति मरार (अन्य पिछड़ा वर्ग) निवासी कांकेर के द्वारा छ.ग.शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर अंतर्गत संचालित योजना अस्पृश्यता निवारणार्थ अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन पुरुस्कार योजना अंतर्गत विवाह संपन्न होने के उपरांत शासन द्वारा उक्त दंपत्ति को 2 लाख 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत किया गया है। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग में सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर ने नव दंपत्तियों को उक्त प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। उज्ज्वल भविष्य एवं सफल जीवन की कामना की ।शासन द्वारा प्रदान की गई 2.50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि में से 1 लाख दंपत्तियों के संयुक्त खाते में भुगतान किया गया तथा शेष राशि 1.50 लाख को उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए 3 वर्ष की सावधि खाता में जमा कराया गया है। चालू वित्तीय वर्ष 2025 -26 में अब तक 10 नवदंपत्ति उक्त योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। जो योजना की सार्थकता को स्वत: सिद्ध कर रहा

अंतर जातीय विवाह करने पर मिला प्रसस्ति पत्र

कोरबा। प्रदेश में अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा देने और सामाजिक समरसता के लिए शासन' छत्तीसगढ़ अस्पृश्यता निवारणार्थ संचालित अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना' आकांक्षी जिला कोरबा में भी खुशियां बिखेर रही । दंपत्ति को आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर ने राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के गौरवशाली अवसर पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

छात्रा लावण्या प्रधान को दिया गया राष्ट्रीय हिन्दी प्रतिभा सम्मान

कोरबा। हिन्दी विकास संस्थान दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिन्दी ओलांपियाड-2025 में डीएवी पब्लिक स्कूल कुसमुंडा अंतर्गत कक्षा 9वीं की छात्रा लावण्या प्रधान को स्वर्ण पदक, राष्ट्रीय हिन्दी प्रतिभा सम्मान और नकद राशि से सम्मानित किया गया।उक्त सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर अध्यक्ष सांस्कृतिक स्रोत व प्रशिक्षण केंद्र संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. पाटिल प्रांजल लहेंसिंह (आईएएस) अतिरिक्त शिक्षा निदेशक शिक्षा निदेशालय दिल्ली सरकार, डॉ. पूरन चंद्र टंडन निदेशक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली, डॉ. कैलाश जाधव संयोजक, गोवा हिन्दी अकादमी ने लावण्य को सम्मानित किया। हिन्दी विकास संस्थान दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. पीयूष कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार तिवारी, महासचिव कल्पना शर्मा, सयुंक्त सचिव डॉ. प्रेम कुमार शुक्ल, कोषाध्यक्ष संदेश ने खुशी जताई।

88 वर्ष की उम्र में भी अटूट जज़्बा : किसान खोलबहरा कुर्रे बने नई पीढ़ी के लिए मिसाल

कोरबा। ग्राम कथरीमाल के खेतों में आज भी एक ऐसा किसान सक्रिय है, जिसकी उम्र भले ही अट्ठासी वर्ष हो चुकी हो, लेकिन मेहनत और हौसले में युवाओं से कहीं आगे है। यह किसान हैं खोलबहरा कुर्रे, जो अपनी लगन, अनुशासन और कृषि के प्रति अटूट समर्पण से नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।खोलबहरा न केवल खेती को अपनी जीवनशैली मानते हैं, बल्कि हर वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने अपने 18 एकड़ खेत में धान की भरपूर पैदावार लेकर यह साबित कर दिया कि उम्र यदि मन में उत्साह हो तो सिर्फ एक संख्या भर है।

इस सीजन उन्होंने कुल 196 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र में बेचा। बचपन से खेती-किसानी से जुड़े रहने वाले खोलबहरा अच्छी तरह जानते हैं कि खेत में खड़ी फसल अनगिनत परिश्रम का नतीजा होती है। उनके अनुसार फसल तैयार करना जितना कठिन काम है, उसे बेचने की प्रक्रिया पहले उससे भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहती थी। उपार्जन केंद्रों में अव्यवस्था, लम्बी कतारें, रात-रातभर जागकर धान की रखवाली, ये सब किसानों के लिए आम बात थी। कम कीमत और असुविधाओं के कारण मेहनत का उचित मूल्य मिल पाना भी मुश्किल था। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। वे बताते हैं कि इस वर्ष 12 तारीख को उन्होंने ऑनलाइन टोकन कटाया और तय समय पर सीधे केंद्र पहुँचकर आसानी से धान बेचा। अब केंद्र में बैठने, पानी पीने और लेनदेन की तत्काल सुविधा उपलब्ध है। बैंक की लाइन में घंटों खड़े रहने की जरूरत भी नहीं पड़ती क्योंकि धान बेचने के बाद राशि जल्द ही सीधे खाते में पहुँच जाती है। इस व्यवस्था ने किसानों के लिए पूरी प्रक्रिया को सरल, सम्मानजनक और परेशानी मुक्त बना दिया है।

मनरेंगा बचाव संग्राम :सड़क पर बैठे कांग्रेसी

कोरबा । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के दिन 30 जनवरी को कोरबा कोतवाली के पास कांग्रेसजनों ने मनरेगा बचाओ संग्राम और धान खरीदी की तारीख बढ़ाने को लेकर सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया ।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश कुमार राठौर ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार मनरेगा को कमजोर करने में लगी है । मनरेगा में पहले हर परिवार को न्यूनतम 100 दिनों के काम की कानूनी गारंटी मिलती थी लेकिन अब कानूनी गारंटी नहीं है । श्री राठौर ने आगे कहा कि मनरेगा में पहले पूरे साल भर काम की गारंटी थी लेकिन अब फसल के मौसम में मनरेगा का काम बंद रहेगा ।

पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने केन्द्र की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केन्?द्र की मोदी सरकार गरीबों, मजदूरों,किसानों को कमजोर बनाने की योजना पर काम करती है । जिस प्रकार तीन काले कानून किसानों को कमजोर बनाने के लिए लाया गया था उसी प्रकार व?ही बी जी राम जी मजूदरों और गरीबो को कमजोर बनाने का काम करेगा । श्री प्रसाद ने बताया कि मनरेगा में पहले पूरा का पूरा भुगतान केन्द्र सरकार के द्वारा किया जाता था लेकिन अब 40 प्रतिशत भुगतान राज्य सरकार को देना होगा ।

पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के पुण्य तिथि के दिन भी शराब की दुकानों से खुलेआम बिक्री का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्य तिथि के दिन ड्राई डे घोषित किया जाना था ।

पूर्व जिला अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने धान खरीदी केन्द्रों में समय सीमा बढ़ाने के लिए मांग रखते हुए कहा कि धीमी गति से धान खरीदी होने के कारण अभी भी बहुत सारे किसान धान नहीं बचे पाए हैं । धान खरीदी केन्द्रों में अनेंको अव्यवस्था के कारण पर्याप्त मात्रा में धान की खरीदी नहीं हो पाया है इसलिए धान खरीदी के तय तिथि को एक माह और बढ़ाने की जरूरत है । पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस सदस्य सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर झांसा देकर लोकसभा में एक और बिल पास करके दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को लगभग खत्म कर दिया है । यह महात्मा गांधी की सोच को खत?म करने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छीनने की जान बूझकर की गई कोशिश है । इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव विकास सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष सपना चौहान, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि सुरेश सहगल, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहु, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहु, अजा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पार्षद नारायण लाल कुर्रे, ब्लॉक अध्यक्ष पालुराम साहु, कुसमुण्डा ब्लॉक अध्यक्ष बसंत चंद्रा, बालको ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ए डी जोशी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, दुष्यंत शर्मा, पार्षद रवि चंदेल, डॉ.रामगोपाल कुर्रे, अनुज जायसवाल, सुभाष राठौर, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, बुद्धेश्वर चौहान, अश्वनी पटेल, प्रदीप जायसवाल, रोपा तिर्की, पूर्व पार्षद निलाम्बर कंवर, संजय कंवर, मनहरण राठौर, प्रेमलाल साहु, गिरधारी बरेठ, ज्योति दिवान, रवि खुंटे ने भी मनरेगा का नाम बदलने, शराबबंदी के दिन शराब बेचने और धान खरीदी के लिए समय बढ़ाने के मांग को अपना विचार रखे । कार्यक्रम में कु. शांता मंडावे, सुनीता तिग्गा, सीमा उपाध्याय, शशि अग्रवाल, पुष्पा पात्रे, दुर्गा सिंह, सुभद्रा सिंह, रजनी श्रीवास, हराबाई कुर्रे, लता चौहान, विमला सिंह, टिंकी महंत, रेखा, मधु सिंह, त्रिवेणी मिरी, रजीनी सिंह, माधुरी ध्रुव, संगीता श्रीवास, गिरजा राजपूत, इंदिरा रानी गुप्ता, श्रवण विश्वकर्मा, हिमांशु सिंह, जगन्नाथ थवाईत, राजेश श्रीवास, टेकराम श्रीवास, पूर्व पार्षद निलाम्बर कंवर, प्रदीप गुप्ता, संजय यादव, आकाश प्रजापति, निजामुद्दीन, मुस्लिम खान, समसुद्दीन, मो.हारूल मेमन सहित भारी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे ।

एचटीपीएस में अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

कोरबा । हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा-पश्चिम में शहीद दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले अमर शहीदों को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य अभियंता एच.के. सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अमर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्युत संयंत्र के विभिन्न वृत्त कार्यालयों में शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों का बलिदान देश की स्वतंत्रता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ योगदान देने का आह्वान किया।

पाली महोत्सव-2026 के अवसर पर आयोजित होगी 'चैतुरगढ़ थंडर राइड' साइकिल रेस

विजेताओं के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा

कोरबा । कोरबा जिले में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में आगामी 15 और 16 फरवरी 2026 को दो दिवसीय 'पाली महोत्सव' का भव्य आयोजन ग्राम केराझरिया, पाली के महोत्सव ग्राउंड में किया जा रहा है। स्थानीय संस्कृति के संरक्षण और पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महोत्सव के पहले दिन, 15 फरवरी को 'पाली चैतुरगढ़ थंडर राइड 2026' साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह रेस पाली से शुरू होकर चैतुरगढ़ तक संपन्न होगी, जिसमें 15 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे।प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है, जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 25,000 रुपये, द्वितीय स्थान हेतु 15,000 रुपये और तृतीय स्थान के लिए 10,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त चौथे और पांचवें स्थान पर आने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 1,100 रुपये तथा अगले दो प्रतिभागियों को सांत्वना नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी गूगल लिंक या क्यूआर कोड के माध्यम से अपना पंजीयन 13 फरवरी 2026 की शाम 5:00 करा सकते हैं।प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेल अधिकारी श्री दीनू पटेल मोबाइल नंबर 7067747300 एवं सहायक खेल अधिकारी श्री राम कृपाल साहू मोबाइल नम्बर 9074668699 से संपर्क किया जा सकता है।

सील किए गए मशीन से ही माफिया करने लगे रेत उत्खनन

जांजगीर चांपा। रेत माफिया जिले के दो बड़ी नदियों की सीना छलनी करने कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहली तो हसदेव नदी और दूसरी महानदी। इन दोनों नदिवा रेत माफियाओं के लिए पैसों के पेड़ बन चुका है। हद तो तब जिस मशीन को सील किया उस मशीन के सील को तोड़कर फिर से अवैध उत्खनन करने में लगे हुए हैं। जिला प्रशासन एवं अमला अवैध रेत प्रशासन एवं तानिज पानी नाकाम है। रेत माफिया इस कदर हावी हैं कि जो जहा कारवाई हो रही है वहां यदि मशीन को जब्त कर रहे हैं उस मशीन को ही उठाकर अन्यन्त्र रेत उत्खनन करने लगे हैं। इतना ही नहीं अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई के लिए खनिज विभाग का कहना है कि हमारे पर पर्याप्त कर्मचारी नहीं है। जिससे हम मौके पर जाकर कार्रवाई कर सकें। यही वजह है कि रेत माफिया हावी है। कहने को सरकारी रेकार्ड में मात्र पांच रेत घाटों को विधिवत अनुमति है, लेकिन दर्जनों रेत घाट आबाद है। विडंबना यह है कि जिन रेत घाटों को अनुमति मिली है उसमें भी नियम कायदों को दरकिनार कर रेत निकाली जा रही है। जहा चेन माउंटेन मशीन का इस्तेमाल नहीं किया जाना है वहां धड़ल्ले से चेन माउंटेन मशीन का इस्तेमाल हो रहा है। इसके चलते नदियां

छलनी हो रही है। नदियों का आकार समुद्र की तरह गड्ढे होते जा रहे हैं। इससे कभी भी रेत घाटों में लोगों की डूबने से मौत हो सकती है। इससे जिला प्रशासन को कोई सरोकार नहीं है। खनिज अफसरों की माने तो उके पास कर्मचारियों की कमी बरकरार है। जहां एक पोस्ट सहायक खनिज अधिकारी का पद रिक्त है तो दूसरी ओर खनिज इंस्पेक्टरों का वो पद रिक्त है। इसी तरह अन्य कर्मचारियों का भी पद रिक्त है। यदि विभाग में पर्याप्त कर्मचारी होते तो निश्चित ही अवैध उत्खनन पर रोक लगा पाते। कर्मचारी कम होने की वजह से मैदानी स्तर पर छापेमारी नहीं की जा सकती, नतीजा अवैध उत्खनन करने वालों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है।

इन दो नदियों में रेत माफिया हावी

जिले की सीमा से हसदेव नदी व महानदी गुजरी है। जहां दर्जनों रेत घाट है। इनमें जांजगीर-चांपा जिले में पांच रेत घाटों को लाइसेंस धारी हैं तो वहीं सक्ती जिले में चार लाइसेंस धारी है। बाकी दोनों नदियों में दर्जनों रेत घाट अवैध रूप से निर्बाध ढंग से संचालित हो रही है। जिले की रेत दीगर जिले में खपाया जा रहा है। एक एक रेत माफिया हर रोज लाखों का कारोबार कर रहे हैं। इन सभी रेत माफियाओं को खनिज विभाग से मौन स्वीकृति मिली हुई है। यही वजह है कि इन पर लगाम लगा पाने खनिज अफसर बेबस साबित हो रहे हैं। बीते दिनों बम्हनीडीह इलाके के लोगों ने लामबंद होकर कलेक्टर से इस आशय की शिकायत की थी, लेकिन शिकायत पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। बताया जा रहा है कि इस इलाके के हसदेव नदी में खुलेआम बड़ी तादात में अवैध तरीके से रेत उत्खनन किया जा रहा है। जिस पर लगाम लगा पाने खनिज अमला नाकाम है। बताया जा रहा है कि खनन माफिया सीधे रायपुर से मंत्रियों से मौखिक अनुमति लेकर यहां खुलेआम रेत का उत्खनन करते हैं।

जिले के अवैध रेत घाटों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। शिकायत पर तत्काल हमारी टीम द्वारा छापेमारी की जाती है।

हेलेंद्र स्वर्णपाल, जिला खनिज अधिकारी

नाबालिग पर चाकू से हमला

जांजगीर-चांपा। जिले में दो नाबालिगों के बीच विवाद पैसों को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान एक नाबालिग ने दूसरे पर चाकू से पीठ पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बिलासपुर रेफर किया गया है।

घटना बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम जार्वे की है। जानकारी के मुताबिक, चाकूबाजी गुरुवार रात करीब 8 बजे हुई। थाना प्रभारी मनोहर सिन्हा ने बताया कि डेढ़ माह पहले हुए क्रिकेट मैच में हारे हुए पैसों को लेकर यह विवाद शुरू हुआ था।

दोनों नाबालिगों के बीच 200-300 रुपए के लेनदेन को लेकर बहस हुई। पैसे न देने पर एक नाबालिग ने अपने पास रखे चाकू से दूसरे नाबालिग पर हमला कर दिया। हमले से गले और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं।

उसका इलाज बिलासपुर में जारी है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और फरार नाबालिग की तलाश कर रही है।

शिक्षा ही जीवन जीने का मुख्य आधार: संतोषी मनोज रात्रे

पामगढ़। भारतीय ज्ञान गंगा पूर्व माध्यमिक शाला हिर्री में वार्षिक उत्सव और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य संतोषी मनोज रात्रे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचे और बच्चों को शिक्षा ग्रहण कर अपने भविष्य को उज्जवल बनाने की प्रेरणा मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि जो विद्यार्थी विद्यालय नहीं आ रहे, उन्हें अधिक से अधिक संख्या में विद्यालय में प्रवेश दिलाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। उन्होंने साथ ही स्कूल के शौचालय, भवन और अन्य आवश्यक सुविधाओं को पूर्ण करने का आश्वासन दिया। समारोह की अध्यक्षता उप सरपंच प्रभा देवी साहू ने की।

कार्यक्रम में स्कूल संचालक विनोद खरे, रमेश खरे, मनोज ज्योति, शिक्षक-शिक्षिकाएं नेतराम खरे, नेहा लहरे, सीमा सुनहरे, निशा यादव, हेमा यादव, प्लाज्मा और सोनम खरे, माया भट्ट के साथ छात्र-छात्राओं, पालकों और ग्रामवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

जिम्मेदारी बड़ी है, सबका साथ लेकर निभाएंगे: पटेल

मालखरौदा। गत 28 जनवरी को भारतीय जनता युवा मोर्चा सक्ती के नवनियुक्त अध्यक्ष आलोक पटेल का छपोरा मंडल पहुंचने पर जनपद उपाध्यक्ष रितेश साहू व युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सम्मानकिया। इसके बाद उन्होंने गांव की मां घाटगोसाईन दाई की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पटेल ने कहा कि जिम्मेदारी बड़ी है, सभी को एक साथ लेकर विकास की कार्य किया जाएगा, वह कार्य पार्टी के हित को लेकर समुदाय के लोगों को साथ में लेकर कार्य किया जाएगा। इस दौरान भाजपा छपोरा मंडल अध्यक्ष घनश्याम भारद्वाज, भाजपा जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री देव कुमार साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल डनसेना, मंडल महामंत्री रेशम लाल पटेल उपस्थित रहे।

नगर पंचायत नरियरा की अधूरी सड़क से लोग परेशान

नरियरा। नगर पंचायत नरियरा में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत सामने आई है। वार्ड क्रमांक 1 में शासकीय अस्पताल और स्कूल को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर सीसी रोड निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया है।

न तो सड़क का निर्माण पूरा हुआ है और न ही वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गई है, जिससे नगरवासियों, मरीजों, छात्रों और अभिभावकों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क के बीचों-बीच मिट्टी, पत्थर, मलबा और झाड़ियां फैली हुई हैं। कार, ऑटो और साइकिल सहित सभी प्रकार के वाहन निकलने में मुश्किल हो रही है।

दोपहिया वाहन चालक फिसलने के डर से जोखिम उठाकर मार्ग पार कर रहे हैं, जबकि बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह रास्ता बेहद खतरनाक हो गया है। अस्पताल की डॉक्टर श्रेया दीक्षित ने कहा कि वैकल्पिक मार्ग न होने के कारण उन्हें भी एक दिन वापस लौटना पड़ा। मरीज एम्बुलेंस की बजाय पैदल या जुगाड़ के साधनों से अस्पताल पहुंचने को मजबूर हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चे भी मलबे और बाधाओं के बीच से निकलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य केवल दिखावा करने के लिए शुरू किया गया और अधूरा छोड़ दिया गया। वार्डवासियों ने नगर पंचायत और संबंधित विभाग से तत्काल मलबा हटाने, सीसी रोड निर्माण पूरा करने, वैकल्पिक मार्ग बनाने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

एक ही रात में लूटपाट की 3 वारदात, 3 लोग गंभीर

कचंदा। जांजगीर-चांपा के बिलारी से सलखन मार्ग पर आज रात तीन अलग-अलग जगहों पर लूटपाट और मारपीट की घटनाएं हुईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। अपराधियों ने दो बाइक का इस्तेमाल किया, जिनमें एक बाइक पर तीन-तीन लोग सवार थे। उन्होंने रास्ता रोक पीड़ितों पर हमला किया और मोबाइल व नकदी लूट लिए।

पहली घटना सलखन कचंदा मोड़ के पास हुई, जहां तीन व्यक्तियों पर हमला हुआ। अमन बंजारे और सुमित बंजारे घायल हुए और उन्हें पामगढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जबकि आर्यन बंजारे और दोनों को बाद में बिलासपुर

रिफर किया गया। दूसरी घटना कचंदा नहर की ओर जाने वाले रास्ते में हुई, जिसमें दो व्यक्तियों से नकदी और मोबाइल लूट लिए गए। पीड़ितों ने तुरंत सरपंच को सूचित किया और नवागढ़ राछा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। तीसरी घटना ग्राम कचंदा के नहर के पास हुई।

मुकेश के सिर पर पाइप से हमला किया गया, उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें बिलासपुर रिफर किया गया। उनके साथ मौजूद अनिकेत भी घायल हुए हैं। सभी घटनाएं लगभग एक ही रात में हुई हैं और आरोपियों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। नवागढ़ व आसपास के क्षेत्रों में पुलिस सक्रिय है और घटनास्थलों पर गहन छानबीन कर रही है। एसपी विजय पांडेय ने मौके पर जाकर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया और नागरिकों से सतर्क रहने तथा आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की।

स्कूल में मना वार्षिक उत्सव, छात्रों ने दी प्रस्तुति

रिगनी-खरौद। वंदे मातरम् उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खरौद में वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्रपट पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रिका रूपेश यादव (पार्षद, वार्ड क्रमांक 05, नगर पंचायत खरौद), विशिष्ट अतिथि एसएल आदित्य (संरक्षक) और एस आदित्य (प्रधानाचार्य), अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य बीपी कश्यप ने की। छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, मनमोहक नृत्य सहित एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। एसएल आदित्य ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम का संचालन दिनेश कुमार शर्मा (व्याख्याता) ने किया।

राखड़ डंपिंग रोकने हसदेव नदी पुल पर लोगों ने किया चक्काजाम

जांजगीर। नवागढ़ क्षेत्र के ग्राम मोहतरा और केरा निवासी कुछ व्यक्तियों द्वारा केरा हसदेव नदी पुल के पास चक्का जाम कर लोगों के आवागमन को बाधित करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। घटना 29 जनवरी, 2026 को घटी, जब स्थानीय लोगों ने गांव में भारी मात्रा में राखड़ डंपिंग होने के कारण प्रदूषण और स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव की शिकायत उठाई।

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने राखड़ डंपिंग रोकने की मांग को लेकर केरा रोड पर हसदेव नदी पुल के पास सड़क के चारों ओर घेरा बनाकर बैठकर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान रास्ता अवरुद्ध होने के कारण आने-जाने वाले लोगों को गंभीर परेशानी का सामना

करना पड़ा।सूचना मिलने पर थाना नवागढ़ की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लाया। पुलिस ने इस संबंध में थाना नवागढ़ में अपराध पंजीबद्ध किया है। इस मामले में मोहतरा और केरा के 08 व्यक्तियों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य 25-30 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। नवागढ़ पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्रवाई की जाएगी और जांच जारी है।पुलिस अधीक्षक ने इस प्रकार के किसी भी अव्यवहारिक प्रदर्शन और सड़क जाम पर सख्त दृष्टि रखने का निर्देश दिया है, ताकि आम जनता के दैनिक आवागमन में बाधा न आए। स्थानीय नागरिकों से भी अपील की गई है कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए कानून व्यवस्था का पालन करें और किसी प्रकार के सार्वजनिक मार्ग अवरोध से बचें।

जिला रोजगार कार्यालय में 5 फरवरी को प्लेसमेंट कैंप

जांजगीर। जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, जांजगीर-चांपा द्वारा 5 फरवरी, गुरुवार को एक दिवसीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, लाइवलीहुड कॉलेज परिसर, जांजगीर में आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस कैंप में निजी क्षेत्र की कंपनी परिश्रम रिसोर्सेज प्रा. लि., गुड़गांव भाग लेगी। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर इंस्टालेशन के 40 पदों और सुपरवाइजर के 40 पदों पर भर्ती की जाएगी। मीटर इंस्टालेशन पद के लिए आईटीआई एवं सुपरवाइजर पद के लिए 12वीं पास योग्यता निर्धारित की गई है।

नेत्र जांच शिविर में मजदूरों और चालकों के आंखों की जांच की

अकलतरा। नयुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड आरसमेटा सीमेंट प्लांट में प्लांट द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व अंतर्गत सड़क सुरक्षा माह में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ आरसमेटा सीमेंट प्लांट के प्लांट हेड रविंद्र धारकर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ, कार्यक्रम को रविंद्र धारकर ने संबोधित किया। नेत्र जांच शिविर में डॉ. अभिषेक पांडेय ने आधुनिक मशीनों से प्लांट के कर्मचारी उनके परिवार के लोगों ट्रक चालकों व प्लांट में कार्यरत मजदूरों के आंखों की जांच करते हुए आंखों को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक भी किया। कार्यक्रम में प्लांट के सुरक्षा विभाग, मानव संसाधन विभाग एवं अन्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर खुली रही शराब दुकानें, राज्यपाल के नाम ज्ञापन

रायगढ़। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शुष्क दिवस घोषित नहीं किए जाने को लेकर कांग्रेसियों ने शुक्रवार को शराब दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सरकार के निर्णय पर आपत्ति जताई। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में कहा कि आजादी के बाद से महात्मा गांधी की पुण्यतिथि 30 जनवरी को शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। इस दिन शराब बिक्री सहित मांस और अन्य नशीले पदार्थों की दुकानों को पूरी तरह बंद रखा जाता था, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने शराब से राजस्व आय की मंशा से इस परंपरा को तोड़ दिया है, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान है। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता महात्मा गांधी चौक पहुंचे, जहां उन्होंने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी कार्यकर्ता सिग्नल चौक स्थित शराब दुकान के सामने पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

गीता के ज्ञान को जीवन में उतारने से मिलती है उन्नति एवं शांति: शशिप्रभा

चांपा। चांपा नगर में आयोजित श्रीमद् भगवत गीता सार सुखद जीवन का आधार कार्यक्रम के चौथे दिन ब्रह्माकुमारी शशिप्रभा दीदी जी ने आत्मा के 84 जन्मों की गूढ़ कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए कर्म सिद्धांत को सरल और प्रभावशाली ढंग से समझाया। दीदी जी ने कहा कि आत्मा अपने अच्छे और बुरे कर्मों के अनुसार ही सुख या दुःख का अनुभव करती है। जीवन में बार-बार मन में उठने वाला प्रश्न मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है? का उत्तर उन्होंने महाभारत की एक प्रेरक कथा के माध्यम से दिया।

उन्होंने भीष्म पितामह की कथा का उल्लेख करते हुए बताया कि जब भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे, तब उन्होंने भगवान से प्रश्न किया कि इस जन्म में बिना किसी बड़े पाप के उन्हें इतना कष्ट क्यों मिल रहा है। तब भगवान ने कर्मों की गुह्य गति को समझाते हुए बताया कि उनके पूर्व जन्मों के कर्मों का फल उन्हें अब मिल रहा है। जब भीष्म पितामह ने पूछा कि यह दंड पहले क्यों नहीं मिला, तो भगवान ने कहा कि उनके पुण्य कर्म अत्यधिक थे, इसलिए दंड विलंब से प्राप्त हुआ।दीदी जी ने कहा कि यही नियम हमारे जीवन में भी लागू होता है, कई बार कर्मों का फल जन्म-जन्मांतर तक भोगना पड़ता है। शशिप्रभा दीदी जी ने जोर देकर कहा कि कर्मों के फल से कोई भी नहीं बच सकता। अच्छे कर्मों का फल सदैव अच्छा और बुरे कर्मों का फल निश्चित रूप से बुरा ही होता है, इसलिए मनुष्य को हमेशा पुण्य कर्म करने चाहिए। उन्होंने हिंसा और अहिंसा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। दीदी जी ने कहा कि आज घर-घर महाभारत की स्थिति है, इसलिए गीता ज्ञान की आवश्यकता प्रत्येक मानव को है।अपने स्वार्थ के लिए किसी जीव को मारकर भोजन करना बड़ी हिंसा है, क्योंकि वह जीव बोल नहीं सकता, लेकिन उसमें भी चेतना है ।

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.202601050400043
अ-21(2)/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमिस्वामी/आवेदक श्री आयुष गुप्ता पिता श्री हेमंत गुप्ता जाति-गुप्ता, निवासी- देवांगन पारा, दुरपा रोड कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) की ओर से अधिवक्ता श्री दिनेश कुमार अग्रवाल द्वारा आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम-कोरबा, प.ह.नं.-16, तहसील- कोरबा स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 600/8 रकबा 0.006 हे./0.01 1/4 एकड़ एवं उस पर निर्मित भवन को प्रस्तावित क्रेता-श्री राजकुमार साव पिता महावीर साव, जाति-साव, निवासी- नन्द नर्सिंग होम के पीछे, मिशन रोड कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) के पास विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु कलेक्टर महो. कोरबा से अ.वि.अ. (रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 16.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

// आम सूचना//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुरेश नायक उम्र 47 साल पिता जीवन लाल नायक जाति नायक निवासी जांजगीर थाना व तहसील जांजगीर जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) का मूल निवासी है, जिनकी पुत्री के आधार कार्ड नंबर 7731 0692 8643 पर नाम तान्या नायक लिखा हुआ है, जो कि गलत है। पुत्र का वास्तिवक नाम तनिश नायक है, जो कि जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है, मूलतः नाम तनिश नायक के नाम से जाना व पहचाना जाता है एवं यही नाम उसके सभी शासकीय व अर्द्धशासकीय एवं बैंक पासबुक से लेकर आधार कार्ड व सभी कागजातों में लिखा व पढ़ा जावेगा, इसमें किसी भी प्रकार कोई भ्राति नहीं है, इस संदर्भ में दिनांक 11.07.2025 को शपथ पत्र भी सत्यापित किया गया है।

भवदीय
सुरेश नायक
मोबाईल नं. 8962833542

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/निर्माण/2025-26/8460 कोरबा, दिनांक 29.01.2026

//द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना//

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर नीचे लिखे कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी अंतिम तिथि 16.02.2026 है।

क्र.	कार्य का नाम	वि.खं.	निविदा राशि (लाख में)	अमानत राशि
1	2	3	4	5
1	प्री. मै. अनुसूचित जाति बालक छात्रावास करतला का भवन निर्माण कार्य।	करतला	152.76	1,14,570/-
		योग:-	152.76	

नोट :-
1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2. ठेकेदार की श्रेणी ''सी'' क्लास या उससे उपर।
टीप :- निविदा की शर्तें व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

जी-252606385/7

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कोरबा

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी/अ.वि.अ.(रा.) कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-2026
ग्राम कोरबा प.ह.नं.-16
तहसील कोरबा जिला कोरबा छ.ग.

// ईश्तहार//

एतद द्वारा आम जनता की सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री डॉ.व्ही. के. मोडा पिता स्व. छागामल मोडा जाति अग्रवाल (गैर आदिवासी) निवासी पावर हाउस रोड, कोरबा तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 तहसील कोरबा जिला कोरबा (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 580/1 रकबा 0.016 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रायोजन हेतु पुनर्निर्धारण करने बाबत् बी-1, खसरा, नक्शा, ऋण पुस्तिका, बयनामा की छायाप्रति, बिल्डिंग का साइड प्लान, गूगल मैप एवं शपथ पत्र सहित आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार वर्णित भूमि का जिस किसी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में प्रकरण में नियत आगामी सुनवाई तिथि 06/02/2026 तक स्वयं या अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) सक्षम प्राधिकारी /अ.वि.अ.(रा.)
कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अनमोल वचन......

कुछ लोग मरने से इतना डरते हैं कि वे कभी जीना ही नहीं चाहते।

भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि ईरान स्थित जिस चाबहार बंदरगाह परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है! चाबहार बंदरगाह सिर्फ कारोबारी लिहाज से अहम नहीं है, बल्कि इसके साथ भारत की भू-राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं भी जुड़ी हुई थीं। इसे पाकिस्तान के ग्वादार में चीन निर्मित बंदरगाह के जवाब के रूप में देखा जाता था। इसके अलावा चाबहार से भारत को मध्य एवं पश्चिम एशिया से होते हुए यूरोप तक ऐसा मार्ग मिलने की संभावना थी, जिसमें पाकिस्तान नहीं आता। इस लिहाज से यह भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक तथा वाणिज्यिक हित को सुरक्षित बनाने वाली परियोजना है। मगर अब अमेरिकी दबाव में भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा है।

2018 में चाबहार में निर्माण कार्य आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने ईरान पर लगाए अपने प्रतिबंधों में विशेष छूट दी थी। तब समझा गया था कि चीन के पसरते पांवों पर लगाम लगाने के मुद्दे पर भारत और अमेरिका में रणनीतिक साझापन है। मगर बतौर राष्ट्रपति अपने दूसरे कार्यकाल में डॉनल्ड ट्रंप ने वह छूट वापस ले ली। कुछ समय बाद यानी बीते अक्टूबर में ट्रंप प्रशासन ने छह महीनों के लिए छूट की अवधि बढ़ाई। अब पता चला है कि यह समय विस्तार भारत को चाबहार परियोजना में हिसाब-किताब पूरा करते हुए अपना हाथ समेटने के लिए दिया गया। खबर है कि अमेरिका से बिना कोई प्रतिरोध जताए भारत समयसीमा के अंदर इस कार्य को पूरा कर रहा है। इसके बाद ईरान चाबहार बंदरगाह का संचालन किसी अन्य देश को देने के लिए स्वतंत्र होगा। संभवतः ये ठेका चीन को जाएगा। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है। इसके पहले 2019 में ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने अचानक ईरान से अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी खत्म कर दी थी। इस कदम ने ईरानी बाज़ार को लगभग चीन के हवाले कर दिया। चीन तब से दुनिया के सस्ते ईरानी कच्चे तेल का लगभग अकेला खरीदार है, मगर उस पर अमेरिका ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि उसकी धौंस में आकर भारत अपने हितों की बलि चढ़ाता गया है। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा!

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी पाने का प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरुरत है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

कर्क राशि :आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नये लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके प्रयासों से सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे। जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी, जिससे आपके चेहरे पर पूरे दिन मुस्कान बनी रहेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे।

तुला राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत बनेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर को अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझने दूर होगी।

धनु राशि : आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने विवाद को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि : आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति की संभावना है।

मीन राशि : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त रहेंगे। घर में धार्मिक फंक्शन होने की संभावना है। कुछ लोग साझेदारी में व्यापार शुरू करेंगे।

माखनलाल जी ने देखा था पत्रकारिता विश्वविद्यालय का सपना

//प्रो. संजय द्विवेदी //

माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। जनसंचार और पत्रकारिता की शिक्षा आज एक विशिष्ट अनुशासन बन चुकी है।

देश में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा पर केंद्रित चार विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। उन्होंने भरतपुर(राजस्थान) में 1927 में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था-हिंदी समाचार पत्रों में कार्यालय में योग्य व्यक्तियों के प्रवेश कराने के लिए, एक पाठशाला आजकल के नए नामों की बाढ़ में से कोई शब्द चुनिए तो कहिए कि एक संपादन कला के विद्यापीठ की आवश्यक्ता है। ऐसी विद्यापीठ किसी योग्य स्थान पर बुद्धिमान, परिश्रमी, अनुभवी, संपादक-शिक्षकों द्वारा संचालित होना चाहिए। उक्त पीठ में अन्यान्य विषयों का एक प्रकांड ग्रंथ संग्रहालय होना चाहिए। यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके साथ ही दो साल पूर्व भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को भी डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल चुका है। यह बात बताती है कि हमारे पुरखे किस तरह अपनी विधा को अकादमिक रुप से स्थापित होते देखना चाहते थे।

माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रपिता ने कहा- मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए जा रहा हूं क्योंकि वह माखनलालजी का जन्मस्थान है। जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं।÷ यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि-उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी।

पं. माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला 'कर्मवीर' एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'कर्मवीर' एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है। वस्तुतः वे एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रहे थे और कोई मोर्चा ऐसा न था, जहां उन्होंने अपनी छाप न छोड़ी हो। सही मायने में 'कर्मवीर' के संपादक ने अपने पत्र के नाम को सार्थक किया और माखनलाल जी स्वयं कर्मवीर बन गए। 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद(मप्र) के बाबई जिले में जन्में माखनलालजी ने जब पत्रकारिता शुरू की तो सारे देश में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव देखा जा रहा था। राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार की चर्चाएं और फिरंगियों को देश बदर करने की भावनाएं बलवती थीं। इसी के साथ महात्मा गांधी जैसी तेजस्वी विभूति के आगमन ने सारे आंदोलन को एक नई ऊर्जा से भर दिया। दादा माखनलाल जी भी उन्हीं गांधी भक्तों की टोली में शामिल हो गए। गांधी के जीवन दर्शन से अनुप्राणित दादा ने रचना और कर्म के स्तर पर जिस तेजी के साथ राष्ट्रीय आंदोलन को ऊर्जा एवं गति दी वह महत्व का विषय है।इस दौर की पत्रकारिता भी कमोबेश गांधी के विचारों से खासी प्रभावित थी। हिंदी पत्रकारिता का वह जमाना ही अजीब था। आम कहावत थी -जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। और सच में अखबार की ताकत का अहसास आजादी के दीवानों को हो गया था। इसी के चलते स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेताओं ने अपने पत्र निकाले। जिनके माध्यम से ऐसी जनचेतना पैदा की कि भारत आजादी की सांस ले सका। वस्तुतः इस दौर में अखबारों का इस्तेमाल एक अस्त्र के रूप में हो रहा था।

माखनलाल जी ने 1913 में 'प्रभा' नाम की एक उच्चकोटि की पत्रिका के माध्यम से साहित्यिक पत्रकारिता में भी सार्थक हस्तक्षेप किया। लोगों को झकझोरने एवं जगानेवाली रचनाओं के प्रकाशन के माध्यम से 'प्रभा' हिंदी जगत का एक जरूरी नाम बन गयी। दादा की 56 सालों की ओजपूर्ण पत्रकारिता की यात्रा में प्रताप, प्रभा व कर्मवीर उनके विभिन्न पड़ाव रहे। साथ ही उनकी राजनीतिक वरीयता भी बहुत उंची थी। वे बड़े कवि थे, पत्रकार थे पर उनके इन रूपों पर राजनीति कभी हावी न हो पायी। इतना ही नहीं जब प्राथमिकताओं की बात आयी तो मप्र कांग्रेस का वरिष्ठतम नेता होने के बावजूद उन्होंने सत्ता में पद लेने के बजाए मां सरस्वती की साधना को ही प्राथमिकता दी। आजादी के बाद 30 अप्रैल, 1968 तक वे जीवित रहे पर सत्ता का लोभ उन्हें स्पर्श भी नहीं कर पाया। इतना ही नहीं 1967 में भारतीय संसद द्वारा राजभाषा विधेयक पारित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रपति को वह पद्मभूषण का अलंकरण भी लौटा दिया जो उन्हें 1963 में दिया गया था। वे समझौतों के खिलाफ लोगों में चेतना जगाते रहे। उन्होंने लिखा है- 'कर्मवीर' के संपादक कैसे संपादक थे, इसे बताने के लिए उन्होंने कहा कि -हम फक्कड़ सपनों के स्वर्गों को लुटाने निकले हैं। किसी की फरमाइश पर जूते बनानेवाले चर्मकार नहीं हैं हम । यह निर्भीकता ही उनकी पत्रकारिता की भावभूमि का निर्माण करती थी। स्वाधीनता आंदोलन की आँच को तेज करने में उनका कर्मवीर अग्रणी बना। कम ही लोग जानते होंगें कि दादा को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। उनके संपादकीय कार्यालय यानी घर पर तिरसठ बार छापे पड़े, तलाशियां हुयीं। 12 बार वे जेल गए। कर्मवीर को अर्थाभाव में कई बार बंद होना पड़ा। लेखक से लेकर प्रूफ रीडर तक सबका कार्य वे स्वयं कर लेते थे। पत्रकारिता उनके लिए राष्ट्रसेवा और समाज के जागरण का ही एक माध्यम थी। भरतपुर के संपादक सम्मेलन में वे पत्रकारिता जगत का आह्वान करते हुए कहते हैं-यदि समाचार पत्र संसार की एक बड़ी ताकत है तो उसके सिर जोखिम भी कम नहीं है। पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं और राष्ट्रीय रक्षा की महान दीवार बनती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है। जगत में समाचार पत्र यदि बड़प्पन पाए हुए हैं, तो उनकी जिम्मेदारी भी भारी है।बिना जिम्मेदारी के बड़प्पन का मूल्य ही क्या है?

प्रगतिः शासन को इरादा नहीं, डिलिवरी परिभाषित करती है

//टी.के. रामचंद्रन//

सरकार के दो परिवर्तनकारी कदमों—पीएम गति शक्ति और प्रगति—का विशाल परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और उनकी निगरानी करने पर गहरा असर पड़ा है। इस लेख में हम बाद वाले कदम के बारे में चर्चा कर रहे हैं। प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्रारूप के तहत आयोजित 50वीं उच्च-स्तरीय समीक्षा दर्शाती है कि शासन के प्रति भारत सरकार के रुख और उसे संचालित करने के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। यह बदलाव नीयत से डिलिवरी की ओर, प्रक्रियागत अनुपालन से परिणामों की ओर तथा बिखरी हुई सत्ता से समन्वित एवं समयबद्ध कार्यान्वयन की ओर संकेत करता है। इस प्रकार प्रगति केवल एक प्रशासनिक नवाचार भर नहीं है; बल्कि यह शासन की संरचना की सोच-विचार कर की गई पुनर्रचना का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब शासन के अन्य मॉडल विफल रहे, तब यह मॉडल परिणाम देने में कैसे सफल हुआ?

सार्वजनिक परियोजनाओं में देरी होना लगभग आम बात रही है। फिर भी, शायद ही कभी इस देरी कारण नीति में स्पष्ट जानकारी या वित्तीय मंजूरी का अभाव रहा। शासन प्रणालियों का बिखराव इस देरी का कारण रहा है। मंत्रालय ऊपरी से निचले स्तर तक या वर्टिकली कार्य करते हैं; राज्य और केंद्र क्रमिक रूप से काम करते हैं; और विवाद निपटाने के अधिकार-संपन्न मंच न होने के कारण, विवाद लंबित पड़े रहते हैं। गतिविधियाँ बढ़ने के बावजूद जवाबदेही कमज़ोर होती जाती है। मुख्य समस्या कमज़ोर तालमेल और साइलो-बेस्ड समीक्षा तंत्र रही हैं।

इसके परिणामस्वरूप, परियोजना की डिलिवरी का व्यापक उद्देश्य अक्सर कहीं खो जाता है। कई परियोजनाएँ जमीनी विवाद, पर्यावरण या वन मंजूरी, नियामक अनुमोदन, संविदा से जुड़े विवादों या राज्यों के बीच तालमेल संबंधी चुनौतियों के कारण वर्षों तक अटकी रहीं। एक बहु-मंत्रालयीय और बहु-राज्यीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ प्रत्येक संस्था अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाए हुए होती है, किसी के लिए भी दूसरे को राजी करना कठिन हो जाता है।

जब परियोजना की पूर्ति में कई राज्यों और मंत्रालयों को योगदान देना होता है, तो बैठकें करने, चर्चा करने, फील्ड दौरे करने, समितियाँ बनाने और अंतहीन पत्राचार करने की पुरानी प्रक्रिया बेअसर साबित होती है। यह एक ऐसा तरीका था, जिसमें चर्चा को निर्णय, गतिविधि को काम, गति को प्रगति और केवल नीयत को उपलब्धि समझ लिया जाता था।

प्रगति का आगमन

प्रगति निर्णय लेने, समन्वय करने और लागू करने के तरीके को नए तरीके से डिजाइन कर लगातार बनी रहने वाली इन संरचनात्मक कमियों को दूर करता है। प्रणालीगत समन्वयक के रूप में काम करते हुए यह मंत्रालयों, राज्यों और जिलों के निर्णयकर्ताओं को एक ही संस्थागत और डिजिटल मंच पर लाता है। यह फ़ाइलों के आदान-प्रदान, क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता और विभागीय पत्राचार के कारण होने वाली देरी को समाप्त करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कार्यान्वयन का विस्तृत दृष्टिकोण बहाल करता है, जिससे नेतृत्व फ़ाइलों की लंबित स्थिति के बजाय प्रणाली से संबंधित रुकावटों की पहचान कर सकता है।

प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सर्वोच्च स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है।

प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती है। रीयल-टाइम डेटा, जियो-स्पैशियल विजुअलाइज़ेशन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ सीधे संवाद हितधारकों के बीच जानकारी की असमानता समाप्त करते हैं और निर्णयों को साक्ष्यों के आधार पर लिया जाना सुनिश्चित करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रौद्योगिकी प्रशासनिक निर्णय क्षमता को बदलने के बजाय उसे सुदृढ़ करती है, जिससे प्रणाली के भीतर नेतृत्व की जिम्मेदारी और मजबूत होती है।

प्रगति में समापन पर जोर दिया जाता है और यही बात उसे पहले के समीक्षा तंत्रों से अलग बनाती है। समस्याएँ तब तक सक्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें हल नहीं किया जाता, और उन्हें लगातार कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ट्रैक किया जाता है। केवल स्पष्टीकरण देना अब परिणामों का विकल्प नहीं है। समय के साथ, इस अनुशासन ने प्रशासनिक व्यवहार को बदल दिया है, जिससे मंत्रालयों और राज्यों को समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें बढ़ने से पहले हल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है

परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और आकलन करने योग्य हैं। 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं में तेज़ गति से काम हुआ गई है। हाल के वर्षों में, प्रगति के तहत पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की दस परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिससे अड़चनों का जल्द समाधान हुआ और तेज़ी से कार्यान्वयन संभव हुआ। मैं उदाहरण के रूप में दो परियोजनाओं को प्रस्तुत करूँगा।

लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएमएचसी) एक विशाल परियोजना है, जिसमें केंद्र सरकार के संस्कृति, रक्षा, विदेश, रेल और राजमार्ग जैसे कई मंत्रालयों के साथ-साथ गुजरात सरकार भी शामिल हैं। साथ ही, कई तटीय राज्यों के पवेलियन स्थापित किए जाने हैं, इसलिए संबंधित राज्य भी इस परियोजना का हिस्सा हैं। पिछले वर्ष एनएमएचसी परियोजना को प्रगति के एजेंडे में शामिल करने से कई स्तरों पर तुरंत कार्रवाई शुरू हो गई। सामान्यतः एजेंडे को प्रधानमंत्री द्वारा समीक्षा से कुछ महीने पहले सूचित किया जाता है, जिससे विभिन्न हितधारकों को प्राथमिकता के साथ मुद्दों को हल करने का अवसर मिलता है। परिणामस्वरूप, ज्यादातर मुद्दे जो आधिकारिक/मंत्रालय स्तर पर हल किए जा सकते हैं, पहले ही सुलझ जाते हैं और केवल मार्गदर्शन या दिशा की आवश्यकता वाले शेष जटिल मुद्दे ही वास्तविक समीक्षा के दौरान उठाए जाते हैं।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से गुजरने वाले राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू)-1 पर लागू की जा रही जल मार्ग विकास परियोजना की प्रगति के तहत दो बार समीक्षा की गई। यह परियोजना अब समापन चरण में है और अधिकांश लंबित मुद्दे हल हो चुके हैं। प्रगति फोरम एक महत्वपूर्ण सत्य पर जोर देता हैः सार्वजनिक मूल्य या पब्लिक वेल्यू केवल योजनाओं की घोषणा करने से नहीं, बल्कि मंजूर किए गए निवेश के नतीजों में परिणत होने से उत्पन्न होता है। अटकी हुई परियोजनाएँ केवल नीतियों को दोबारा निरुपित किए जाने के कारण ही आगे नहीं बढ़ी, बल्कि कार्यान्वयन के मार्ग को आसान बनाने और जवाबदेही लागू करने के कारण आगे बढ़ीं। प्रगति का सहकारी संघवाद में योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिवों और केंद्रीय सचिवों को एक ही रीयल-टाइम प्लेटफ़ॉर्म पर लाया जाना बंटी हुई जिम्मेदारी के स्थान पर परिणामों की साझा जिम्मेदारी स्थापित करता है।

प्रगति : 50 इस बात का सबूत है कि शासन के नतीजे संस्था की संरचना पर निर्भर करते हैं। साइलो समाप्त करके, कार्यान्वयन का व्यापक दृष्टिकोण बहाल करके और कार्य समाप्त करने को प्राथमिकता देकर, प्रगति यह दर्शाता है कि असरदार शासन का आशय केवल कार्यभार बढ़ाना नहीं, बल्कि पहले से स्वीकृत कार्य को तेज़ी, गुणवत्ता और तालमेल के साथ पूरा करना है। समयबद्ध कार्यान्वयन सेवाओं तक त्वरित पहुँच कायम करता है, अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करता है, क्षेत्रीय असमानताओं को घटाता है और सरकार की शासन करने की क्षमता में जनता का विश्वास मजबूत करता है।प्रगति केवल नेतृत्व-प्रधान डिलिवरी का रिकॉर्ड ही नहीं, बल्कि जटिल शासन को संचालित करने की रूपरेखा भी है। वैश्विक स्तर पर इसे मिल रही तवज्जो और प्रशंसा इसी बात का प्रमाण है।

तस्वीरों की दुनिया

जम्मू और कश्मीर के राजौरी में, बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन द्वारा बुद्धाल-महोरे-गूल सड़क से बर्फ हटाने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक मशीन।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली में गांधी स्मृति में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिसे शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर मनाए जाने वाले शहीद दिवस के मौके पर राजघाट पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे माघ मेले 2026 के दौरान लोग संगम में पवित्र स्नान कर रहे हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिसे शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

तिरुवनंतपुरम में श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के दर्शन के दौरान भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव।

अमेरिकी धमकी पर ईरान ने चेताया किसी भी हमले का देंगे तत्काल जवाब

तुर्की 31 जनवरी [एजेंसी]।

ईरान को लेकर पश्चिम एशिया में तनाव अपने चरम पर पहुंचता दिख रहा है। एक ओर अमेरिका सैन्य कार्रवाई के संकेत दे रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान ने साफ कर दिया है कि किसी भी आक्रामक कदम का तत्काल और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान अमेरिका से बातचीत करने को तैयार है और हमारे साथ समझौता करना चाहता है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में ज्यादा विवरण नहीं दिया। ईरान ने यूरोपीय संघ द्वारा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स को ब्लैकलिस्ट करने के जवाब में ईयू के सैन्य बलों को भी आतंकी घोषित करने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही तुर्की के दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरकची ने कहा कि उनका देश तनाव घटाने के लिए अमेरिका से वार्ता को तैयार है, लेकिन ये बातचीत धमकियों के साए में नहीं हो सकती है। वहीं, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन ने ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत में अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया है। इधर, अमेरिका ने प्रदर्शनकारियों पर दमनात्मक कार्रवाई के चलते ईरान के आंतरिक मंत्री इश्कंदर मोमेनी पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। इससे पहले ईयू ने मोमेनी समेत उच्च रैंकिंग वाले अधिकारियों और न्यायिक व्यवस्था पर प्रतिबंध लगाए थे। गौरतलब है कि ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच 6479 लोग मारे गए हैं। दमनात्मक कार्रवाई रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न केवल ईरान पर हमलों की धमकी दी, बल्कि अमेरिकी जहाजी बेड़ा यूएसएस अब्राहम लिंकन और अन्य गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर को मध्य एशिया में में भेज दिया है। हालांकि, अब तक ये स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप ईरान पर बल प्रयोग करेंगे या नहीं।विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान जैसे देश पर हमला क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परमाणु हथियारों की होड़ को तेज कर सकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय परमाणु अप्रसार व्यवस्था और आइएईए की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ने की आशंका है। सऊदी अरब ने साफ कर दिया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाए तो वह भी पीछे नहीं रहेगा।रॉयटर के अनुसार, ईरान ने संकेत दिए हैं कि जिन यूरोपीय देशों ने रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किया है, उनकी सशस्त्र सेनाओं को भी आतंकवादी की श्रेणी में रखा जा सकता है।

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी ने कहा कि इस फैसले के परिणाम यूरोपीय देशों को भुगतने होंगे। उन्होंने शुक्रवार को रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात भी की।ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने यूएई के राष्ट्रपति से बातचीत में कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन किसी भी आक्रमण का तुरंत और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने संवाद के लिए खुले रहने की बात भी कही, लेकिन शर्तों के साथ। क्षेत्रीय शक्तियों के बीचबचाव के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह ईरान के साथ बातचीत कर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरकची ने भी स्पष्ट किया है कि उनका देश अमेरिका से बातचीत को तैयार है, लेकिन इसमें ईरान की रक्षा क्षमताओं के साथ समझौता नहीं किया जा सकता है।

हिंदुओं की आस्था पर प्रहारः लड्डू प्रसादम में मिलावट करोड़ों भक्तों का अपमान

टीटीडी अध्यक्ष बोले- श्रद्धा के साथ किया खिलवाड़

तिरूपति, 31 जनवरी [एजेंसी]।

वायएसआरसीपी पर तीखा हमला करते हुए टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में लड्डू प्रसादम के निर्माण के दौरान वायएस जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान विशाल मिलावटी घी घोटाला हुआ है, जिसमें हानिकारक रसायनों का उपयोग किया गया।उन्होंने इस कथित मिलावट को हिंदुओं का अपमान बताया है। बीआर नायडू के अनुसार, पिछले सरकार के दौरान टीटीडी को लगभग 60 लाख किलोग्राम मिलावटी घी, जिसकी कीमत लगभग 250 करोड़ रुपये है, आपूर्ति की गई।

तिरुपति में एक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए टीटीडी के अध्यक्ष ने कहा कि सीबीआई द्वारा संचालित एसआईटी की चार्जशीट, जो हाल ही में नेल्लोर एसीबी कोर्ट में दायर की गई, ने करोड़ों भक्तों के प्रति कथित अपमान, लूट और विश्वासघात को उजागर किया है। बीआर नायडू ने कहा, वायएसआरसीपी शासन में स्त्रीवारी लड्डू में हानिकारक रसायनों के साथ विशाल घी मिलावट घोटाला हिंदुओं का अपमान है।

एसआईटी की चार्जशीट ने टीटीडी के अपमान, लूट और करोड़ों भक्तों के विश्वासघात को उजागर किया है। टीटीडी के अध्यक्ष के अनुसार, पिछले वायएसआरसीपी शासन ने घी खरीद टेंडरों में हेरफेर किया, पात्रता शर्तों को बदला और अयोग्य और असमर्थ कंपनियों को अनुबंध दिए। बिना पशुओं, बिना उत्पादन सुविधाओं और बिना शुद्ध घी बनाने की क्षमता वाली कंपनियों को केवल कमीशन के लिए टेंडर दिए गए।

सुनेत्रा पवार का डिप्टी सीएम बनना तय... फडणवीस ने रखा था प्रस्ताव, कल होगा शपथ ग्रहण

मुंबई , 31 जनवरी [एजेंसी]।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता और अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार कल यानी शनिवार को महाराष्ट्र की नई उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले सकती हैं।बुधवार को बारामती में विमान हादसे में अजीत पवार की मौत के बाद यह पद खाली हो गया था, जिसके तीन दिन बाद यह फैसला लिया जा रहा है।पार्टी शनिवार को मुंबई के विधान भवन में दोपहर 2 बजे एक विधायक दल की बैठक करेगी, जिसमें उनके नाम को अंतिम रूप दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार इसके बाद शाम को सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। वह राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री होंगी। सुनेत्रा पवार फिलहाल राज्यसभा सांसद हैं और महाराष्ट्र विधानमंडल के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं।इससे पहले महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल के इसपर संकेत दिया था। भुजबल ने कहा, कई लोगों का मानना है कि सुनेत्रा पवार को यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, और मुझे नहीं लगता कि यह मांग अनुचित है। उन्होंने आगे कहा, अभी खाली उपमुख्यमंत्री का पद सुनेत्रा जी भर सकती हैं और हमारा ध्यान इसी पर है। लोगों की इच्छा के अनुसार ही सब कुछ किया जाएगा। कल की बैठक मुख्य रूप से विधायक दल के नेता को चुनने के लिए है।अजीत पवार की बुधवार सुबह विमान हादसे में मौत हो गई। विमान रनवे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे चार्टर्ड विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में उनके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक फ्लाइट अटेंडेंट और दो पायलट शामिल थे।

ओडिशा के जनजातीय इलाकों में न्याय की पहुंच मजबूत 2025 में 5644 लोगों को मिली मुफ्त कानूनी मदद

भुवनेश्वर, 31 जनवरी [एजेंसी]।

ओडिशा में जनजातीय और दूरदराज़ क्षेत्रों के लोगों को न्याय से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने अहम कदम उठाए हैं।राष्टीय विधिक सेवा संस्थानों के सहयोग से निःशुल्क कानूनी सहायता का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है, ताकि संसाधनों और कानूनी जागरूकता की कमी के कारण कोई भी वंचित वर्ग न्याय से वंचित न रह जाए। इस पहल से विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति समुदायों को लाभ मिल रहा है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा देशभर में निःशुल्क और सक्षम कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ओडिशा में यह व्यवस्था गांव और प्रखंड स्तर से लेकर ओडिशा उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक बहु-स्तरीय ढांचे के माध्यम से लागू की गई है।राज्य के जनजातीय बहुल और ग्रामीण इलाकों में ग्राम विधिक देखभाल एवं सहायता केंद्र, जिन्हें विधिक सेवा क्लीनिक भी कहा जाता है,

स्थापित किए गए हैं। नालसा (विधिक सेवा क्लीनिक) विनियम, 2011 के अनुसार ये केंद्र आबादी और स्थानीय जरूरतों के आधार पर एक गांव या गांवों के समूह को सेवाएं प्रदान करते हैं।वर्तमान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और तालुक विधिक सेवा समितियों (टीएलएससी) की निगरानी में ओडिशा में कुल 132 ग्राम विधिक देखभाल एवं सहायता केंद्र संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से लोगों को कानूनी समस्याओं के समाधान, सरकारी योजनाओं की जानकारी और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार इन केंद्रों की पहुंच लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2024 में अधिकारियों ने 8,029 लोगों से संपर्क किया, जिनमें से 4,593 लोगों को कानूनी सहायता प्रदान की गई। वहीं 2025 में 7,638 लोगों तक पहुंच बनाई गई और 5,644 लोगों को प्रत्यक्ष विधिक सहायता मिली।

इसके साथ ही ओडिशा में वैकल्पिक विवाद निपटान (एडीआर) व्यवस्था को भी सशक्त किया गया है।वर्ष 2025 के दौरान नालसा की समय-सारणी के अनुरूप राज्य में चार राष्ट्रीय लोक अदालतों का आयोजन किया गया, जिनमें तालुक स्तर से लेकर ओडिशा उच्च न्यायालय तक के मामले शामिल रहे। इसके अलावा 27 जुलाई 2025 को जिला स्तर पर एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से जुड़े मामलों पर विशेष फोकस रहा।राज्य में सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए 22 स्थायी लोक अदालतें भी कार्यरत हैं।

वकील की पेशी को नहीं माना जाएगा डराना-धमकाना : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, 31 जनवरी ।

सुप्रीम कोर्ट ने एक वकील के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करते हुए कहा है कि अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर हुए किसी वकील की पेशी को डराना-धमकाना नहीं माना जाएगा।जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि बिना ठोस सुबूतों के लचर आरोप आइपीसी की धारा 506 (आपराधिक डराना-धमकाना) के तहत अपराध नहीं बनाते। सर्वोच्च न्यायालय ने वकील बेरी मनोज के खिलाफ आइपीसी की धारा 506 के तहत दर्ज आपराधिक मामले को खारिज कर दिया, जो कि एक आरोपित के चाचा हैं, जो बच्चों के यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के मामले में शामिल हैं। पीठ ने नोट किया कि पीडता के द्वारा दी गई बयान में सुधार हुआ है, जो कि सीआरपीसी की धारा 161 (पुलिस अधिकारी के समक्ष बयान) और धारा 164 (मेजिस्ट्रेट के समक्ष बयान) के तहत दर्ज किया गया था।

पीठ ने 20 जनवरी के आदेश में कहा, अंत में एक वकील की पेशी, जब वह पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा हो, न तो डराना-धमकाना माना जाएगा और यह एक मौलिक तथ्य है जो इस मामले में स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है।सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज स्पष्ट बयान से यह स्पष्ट होता है कि आपराधिक डराने-धमकाने का कोई इरादा प्रथम दृष्टया स्थापित नहीं हुआ है।

बोकारो में सिटी कॉलेज के पास महिला का अर्धनग्न शव मिला, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

बोकारो। सेक्टर छह थाना इलाके में बीएस सिटी कालेज के पास झाड़ियों में एक 40 वर्षीय महिला का अर्धनग्न शव पुलिस को सुबह मिला। महिला का चेहरा पत्थर से कुचला हुआ था। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर थाना प्रभारी संगीता कुमारी अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंची। एसपी हरविंदर सिंह भी मौके पर आकर जांच में जुटे अधिकारियों को कई निर्देश दिए। खोजी कुत्तों की टीम को बुलाया गया। रांची से विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को मौके पर साक्ष्य जुटाने के लिए भी बुलाया गया। शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस पर दबाव बढ़ गया है। महिला के कपड़ों को देखकर कयास लगाया गया कि वह आस-पास के किसी गांव की रहने वाली होगी। पुलिस आस-पास के थानों के साथ-साथ जिले भर के थानों को महिला की फोटो भेजकर शव की शिनाख्त की कोशिश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त होते ही अनसुलझी कई गुत्थी सुलझ जाएगी।

इसके बाद हत्यारों को खोजने में मदद मिलेगी। मौके पर मिले साक्ष्यों को देखकर पुलिस यह कयास लगा रही है कि महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई और साक्ष्य छिपाने के लिए हत्यारे ने चेहरे को पत्थर से कुचल दिया। पुलिस ने अन्य बिंदुओं पर भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस शव के शिनाख्त की कोशिश कर रही है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर महिला के साथ दुष्कर्म होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। रांची से एफएसएल की टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया है। पुलिस बहुत जल्द हत्यारे को दबोच लेगी। घटनास्थल पर आकर वह जांच करने वाले अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मुंबई के सायन स्टेशन पर झगड़े के दौरान तीन यात्री ट्रेन से गिरे, मची अफरा-तफरी

मुंबई। मुंबई के सायन स्टेशन पर तीन यात्री किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। इस दौरान वह ट्रेन से नीचे गिर गए। उन्हें बचाने के लिए रेलवे ने तुरंत बिजली बंद कर दी और अन्य ट्रेनों को रोक दिया। एक अधिकारी ने बताया, सुबह करीब 10 बजे कुछ यात्रियों के बीच कहासुनी और हाथापाई हुई और इसी अफरा-तफरी में वे सीएसएमटी जाने वाली ट्रेन से गिर गए। ट्रेन की गति उस समय धीमी थी। ट्रेन सायन स्टेशन से अभी-अभी चली ही थी। इस घटना में तीनों यात्री घायल हो गए हैं। कंट्रोल रूम में सूचना मिलते ही हमने 8-9 मिनट के लिए बिजली बंद कर दी ताकि तीनों को बचाए जाने तक विपरीत दिशा से कोई दूसरी ट्रेन न आ सके। घायलों में अफजल चौधरी, सचिन विश्वकर्मा और कुर्ला निवासी जैनिल सैयद शामिल हैं। तीनों को सायन स्थित लोकमान्य तिलक नगर सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चेन्नई-बेंगलुरु में नौकरी होगी आसान, झारखंड के युवाओं के लिए अब भाषा नहीं बनेगी समस्या, दिया जाएगा प्रशिक्षण

रांची। श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण तथा कौशल विकास मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा है कि कौशल प्रशिक्षण के बाद दूसरे राज्यों में निजी क्षेत्र में नौकरी कर रहे युवाओं को वहां भाषा की समस्या होती है। चेन्नई, बेंगलुरू आदि शहरों में इससे काफी परेशानी होती है। इसलिए विभाग कौशल विकास के साथ-साथ उन्हें दूसरे राज्यों के भाषाओं का भी प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि उन्हें यह परेशानी न हो। मंत्री ने शुक्रवार को होटल बीएनआर में झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा आयोजित झारखंड कौशल उत्कर्ष-2026 कार्यक्रम में विभाग तथा प्रशिक्षण प्रदाताओं को ये निर्देश दिए। मंत्री ने अपने संबोधन में जिला से लेकर विभाग के पदाधिकारियों, कर्मियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण में किसी तरह की गड़बड़ी न हो। किसी तरह के कदाचार एवं गड़बड़ी सामने आने के बाद जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। इससे पहले उन्होंने कहा कि राज्य के सभी प्रखंडों में बिरसा कौशल केंद्र खोले जा रहे हैं, ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को घर के पास ही उनकी जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण मिल सके।इस अवसर पर मंत्री ने विश्व कौशल प्रतियोगिता के तहत राज्य स्तर पर चयनित 39 विजेताओं को सम्मानित किया। इन सभी को ओडिशा, कर्नाटक एवं तमिलनाडु में आयोजित होनेवाली जोनल प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए रवाना भी किया। इस बार विश्व स्तरीय प्रतियोगिता चीन में हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने हुनर का लोहा मनवाएंगे और झारखंड को विश्व मानचित्र पर स्थापित करेंगे।इधर, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न ट्रेड में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहनेवाले विजेताओं को क्रमशः सात हजार, पांच हजार तथा तीन हजार रुपये का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर कौशल प्रशिक्षण के बाद निजी क्षेत्रों द्वारा चयनित युवाओं को आफर लेटर प्रदान किया गया। मंत्री ने उनके वाहन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कौशल विकास व नियोजन में बेहतर कार्य करनेवाली रांची जिला की टीम को भी पुरस्कृत किया गया। धर, इस मौके पर अपने संबोधन में विभाग के सचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि कौशल विकास मिशन द्वारा अबतक 6.41 लाख युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिनमें 4.88 को प्रमाणीकरण किया गया है। इनमें 3.14 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। कार्यक्रम को श्रमायुक्त रविरंजन तथा सोसाइटी के एमटी शैलेंद्र लाल ने भी संबोधित किए। इस अवसर पर झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा आठ संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।

सोना हुआ महंगा तो बच्चों के लॉकेट-चकती के पीछे पड़ गए चोर, झटके में ब्लेड वार

भागलपुर, 31 जनवरी [एजेंसी]।

बच्चों के गले में धागे में पिरो कर पहनाई जाने वाली सोने की बनी देवी-देवता वाली लॉकेट-चकती है तो घर से बाहर निकलते समय सावधान रहना होगा। सोने की आसमान छूती कीमत के बाद इन दिनों बच्चों के गले में पड़ी सोने-चांदी के लॉकेट-चकती काटने वाले गिरोह की सक्रियता बढ़ गई है। चोर बच्चों को आसन टारगेट बना लॉकेट-चकती काटने लगे हैं। जिसकी चोरी-छिपे बेचने में अच्छी खासी कीमत भी मिल जा रही है। वर्ष 2024 में जहां लॉकेट-चकती काटने की 13 वारदात हुई तो सोने की आसमान छूती कीमत बाद वर्ष 2025-26 में अबतक 23 घटनाएं हो चुकी हैं। खलीफाबाग, स्टेशन रोड, बाबा वृद्धेश्वरनाथ मंदिर, शिव शिक्ति मंदिर क्षेत्र और शहर के व्यस्त बाजार क्षेत्र में बच्चों के गले में मौजूद लॉकेट-चकती काटने की ताक में रहते हैं। कोई महिला यदि बच्चों के साथ इन इलाके में पहुंचती तो गिरोह के सदस्य बच्चों के गले को ताड़ते रहतें हैं। यदि बच्चे के गले में लॉकेट या चकती दिख गई तो उस बच्चे के नजदीक गिरोह के सदस्य मंडराते हुए अपनी घेराबंदी कर लेते रहे हैं। फिर मौका देख झटके में विशेष ब्लेड से लॉकेट-चकती वाली डोरी को काट कर भाग निकलते हैं।गिरोह के सदस्य इतने चालाक हैं कि लॉकेट-चकती काटने वाला साथ में मंडरा रहे दूसरे साथी के हाथ में लॉकेट-चकती थमा देता है ताकि यदि वह पकड़ भी लिया जाए तो उसे काटा हुआ लॉकेट-चकती पुलिस या पब्लिक के हाथ नहीं लग सके। गिरोह का सरगना भी बड़ी होशियारी से अपने गिरोह में कम उम्र वाले युवकों को शामिल कर रखे हैं ताकि उनकी गतिविधियों पर जल्दी शिकार के साथ रहने वाले अभिभावकों को शक की गुंजाइश ही नही रहे।वर्ष 2024 से अबतक बच्चों के गले से लॉकेट-चकती काटते समय गिरफ्तार आरोपितों में महाराजगंज गिरोह के ही सदस्य के रूप में पहचान सामने आई है। जिन्हें गिरोह का सरगना स्थानीय क्षेत्र में अपना ठिकाना बना गिरोह में शामिल कर रखा था। घर से बाहर अभिभावकों के साथ निकलने वाले बच्चों के गले में मौजूद सोने-चांदी के लॉकेट-चकती पर महाराजगंज गिरोह के सदस्यों की काली नजर लगी रहती है।गिरोह में महिला और किशोरों की संख्या अधिक बताई जा रही है जो व्यस्त इलाके में बच्चों के गले में पड़ी सोने की चकती का धागा ब्लेड से काट कर झटके में लॉकेट- चकती ले भागते हैं। ऐसी वारदात को रोकने के लिए एसएसपी प्रमोद कुमार यादव ने सिटी एसपी की निगरानी में डीएसपी सिटी प्रथम अजय कुमार चौधरी, डीएसपी सिटी द्वितीय राकेश कुमार को लगा रखा है। पुलिस टीम को आंशिक सफलता मिली है।वर्ष 2024 में बच्चों के गले से सोने-चांदी के लॉकेट-चकती काट लेने की 13 घटना हुई थी। जबकि 2025-26 में अबतक ऐसी घटना की संख्या दूनी हो चुकी है। लॉकेट-चकती काटने की घटना वर्ष 2025-26 में अबतक 23 को पार कर चुकी है। जबकि वर्ष 2024 में पांच आरोपितों की गिरफ्तारी हुई थी। वर्ष 2025 में अबतक 14 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जो वर्ष 2024 के मुकाबले में हुई वारदात और गिरफ्तारी मामले में दूनी के करीब है। सर्वाधिक गिरफ्तारी जोगसर, कोतवाली और तातारपुर क्षेत्र से हुई है।

बड़ी कंपनियों को पर्यावरणीय लागतों के लिए अधिक जिम्मेदारी उठानी होगी, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एनजीटी के उस आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि यदि कोई कंपनी अपने बड़े पैमाने के कारोबार से अधिक लाभ कमाती है, तो उसे पर्यावरणीय लागतों के लिए अधिक जिम्मेदारी उठानी होगी। इस आदेश में पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाले एक बिल्डर पर पांच करोड़ रुपये का पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया था।पीठ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मामलों में किसी कंपनी के परिचालन के पैमाने को पर्यावरणीय नुकसान से जोड़ना मुआवजे का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है। अदालत ने कहा कि बड़े पैमाने का मतलब अक्सर अधिक संसाधनों का उपयोग, अधिक उत्सर्जन और अधिक अपशिष्ट होता है, जिससे पर्यावरण पर अधिक दबाव पड़ता है। पीठ ने कहा कि यदि किसी कंपनी का टर्नओवर अधिक है, तो यह उसके संचालन के विशाल पैमाने को दर्शाता है। यदि ऐसी कंपनी पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाने में योगदान देती पाई जाती है, तो उसके टर्नओवर का नुकसान की मात्रा से सीधा संबंध हो सकता है।

अखिलेश यादव ने कहा, PDA की ताकत से घबराकर लाया गया GC बिल, जानबूझकर शंकराचार्य का किया अपमान

गुरसहायगंज, 31 जनवरी [एजेंसी]।

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए की ताकत से घबराकर भाजपा यूजीसी बिल लाई है। बिजली के बिल का झटका, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और लूट समाजवादी सरकार को 2027 में वापस ला रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि नकली जेवर पहनो। गरीब अपनी बेटी की शादी में सोना भी नहीं खरीद सकता है। भाजपा वाले सोना भी एकत्र करने लगे हैं। अब गरीब न तो जेवर खरीद सकता है और न ही उपहार में दे सकता है। शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत में सपा अध्यक्ष ने महाराष्ट्र में विमान हादसे कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने जांच की मांग की है। देश में सुरक्षित विमान यात्रा हो, विकसित भारत के सपने में नए हवाई जहाज आएं। कोई कानून ऐसा बने कि वीआईपी अच्छे विमान में चलें। आम जनता को अधिकतर पुराने जहाज मिलते हैं। उनके मेंटीनेंस में कोई लापरवाही न हो। सवाल खड़ा हुआ है कि जो विमान सही था और दृश्यता तीन किमी थी फिर हादसा कैसे हो गया। उन्होंने तंज कसा कि भाजपा के ठेकेदार अगर सड़क बनाते हैं तो उसी दिन हवाई जहाज ले आते हैं। डिप्टी सीएम के 2027 में सपा साफ होने वाले बयान पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि डिप्टी सीएम पहले अपना स्टूल साफ करें। इससे उन्हें बैठने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जान बूझकर शंकराचार्य का अपमान कर रही थी। कल्पना करिए कि कोई संत मुख्यमंत्री हो और वह शंकराचार्य को गंगा में स्नान न करने दे। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा के बयान पर कहा कि वहां चुनाव आ गया है। उन्हें असम से कोई लेना देना नहीं है। इसलिए नफरत फैलाने वाली राजनीति शुरू कर दी गई है। गंगा का पानी बंगाल से आगे तक जाता है। यह इलाका भावनात्मक जुड़ाव का है। पुराने लोग जानते हैं कि असम और नार्थ ईस्ट के इलाके को डा. राम मनोहर लोहिया चाहते थे कि वह हमसे जुड़ाव महसूस करे। वह चाहते थे कि उसका नाम उर्वासियम इलाका हो। असम के पास में अरुणाचल है, जहां चीन ने जमीन छीन ली है। नफरत फैलाने वाले लोग भारत का क्षेत्रफल नहीं बता पाएंगे।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज का विकास होगा, तो स्थानीय लोगों का भी विकास होगा। उनका आर्थिक व सामाजिक स्तर बढ़ने के साथ सम्मान भी बढ़ेगा।

बांबे हाई कोर्ट ने किशोरी की गर्भपात की याचिका खारिज की, गर्भ में भ्रुण स्वस्थ और जीवित

मुंबई। बांबे हाई कोर्ट ने 18 वर्षीय महिला की 28 सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की याचिका को खारिज कर दिया है, यह कहते हुए कि जबरन गर्भपात भ्रुण हत्या के समान होगा क्योंकि भ्रुण स्वस्थ और जीवित है। जस्टिस रविंद्र घुगे और अभय ज. मंती की एक पीठ ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक आदेश में निर्देश दिया कि किशोरी को उसके प्रसव तक व्यापक चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाए। अदालत ने कहा, जब बच्चा पैदा हो जाएगा और उसे गोद लेने के लिए पंजीकृत अनाथालय में भेजने की स्थिति में होगा, तो बाल कल्याण समिति इस संबंध में संभावित मां की सहायता करेगी। किशोरी की मां ने गर्भपात की याचिका दायर की थी, जो कि लड़की के 17 वर्ष की आयु में एक पुरुष मित्र के साथ संबंध का परिणाम था। याचिका में कहा गया है कि पुरुष मित्र ने शादी का वादा करके लड़की को शारीरिक संबंध में मजबूर किया।

श्रुति हासन के करियर की सबसे सफल फिल्म, रेटिंग में नंबर 1 और कमाई में ब्लॉकबस्टर

अभिनेत्री और गायिका श्रुति हासन 39 साल की हो गई हैं। कमल हासन की विरासत को अपनी मेहनत और प्रतिभा से आगे बढ़ाने वाली श्रुति ने न केवल दक्षिण भारतीय फिल्मों में, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज हम आपको बताएंगे उनकी उस फिल्म के बारे में, जो न केवल बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही, बल्कि आईएमडीबी पर भी सबसे ज्यादा रेटिंग के साथ दर्शकों और समीक्षकों की पहली पसंद बनी हुई है।

श्रुति ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन साल 2015 में आई श्रीमंथुडू ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुँचा दिया। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रुति ने न केवल अपनी खूबसूरती, बल्कि अपने संजीदा अभिनय से भी लोगों को प्रभावित किया। इस फिल्म को आईएमडीबी पर 7.5 रेटिंग मिली है, जो किसी भी कमर्शियल मसाला फिल्म के लिए बहुत प्रभावशाली मानी जाती है। इतनी रेटिंग श्रुति की किसी भी फिल्म को नहीं मिली है।

फिल्म में श्रुति द्वारा निभाए गए चारुसीला के किरदार को काफी सराहा गया। समीक्षकों ने महेश बाबू के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को फिल्म की जान बताया। गांव को गोद लेने और अपनी जड़ों से जुड़ने की इस भावनात्मक एक्शन ड्रामा फिल्म ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। इसने श्रुति को वो मुकाम दिया, जहां से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिल्म में उन्होंने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई, जो स्वतंत्र, शिक्षित और मजबूत विचारों वाली है।

श्रीमंथुडू 2015 की सबसे कमाऊ फिल्मों में से एक थी। इसने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। उस समय के हिसाब से ये एक अविश्वसनीय आंकड़ा था। जिस दौर में बाहुबली- द बिगिनिंग ने पूरे भारत में तहलका मचा रखा था, उसी साल रिलीज हुई श्रीमंथुडू ने अपना अलग मुकाम बनाया। ये बाहुबली के बाद तेलुगू सिनेमा के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। फिल्म का बजट 60 करोड़ था।

नंदी पुरस्कार से लेकर फिल्मफेयर पुरस्कार तक जीतने वाली इस फिल्म ने श्रुति की फिल्मावली में चार चांद लगा दिए थे। श्रुति की आने वाली फिल्मों की बात करें तो प्रभास के साथ सालार की सफलता के बाद श्रुति अब इसके दूसरे भाग सालार- पार्ट 2 - शौर्यांग पर्व में अपनी भूमिका को आगे बढ़ाएंगी। उनके पास थ्रिलर फिल्म ट्रेन भी है, जिसमें उनके साथ अभिनेता विजय सेतुपति नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी ट्रेन यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है।

आमिर खान की रंग दे बसंती मनाएगी 20 साल का जश्न, निर्माताओं ने बनाई ये योजना

आमिर खान की कल्ट क्लासिक फिल्म रंग दे बसंती रिलीज के 20 साल पूरे कर चुकी है। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित फिल्म अपनी कहानी के जरिए न सिर्फ सामाजिक संदेश देती है, बल्कि दोस्ती की नई मिसाल को कायम करती है। सशक्त कहानी और निडरता के जरिए इसने आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई हुई है। खबर है कि निर्माता फिल्म रिलीज के 20 साल का जश्न मनाने के लिए विशेष स्क्रीनिंग आयोजित कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रंग दे बसंती ने हाल ही में अपनी रिलीज के 20 साल पूरे होने की उपलब्धि हासिल की है। इसका जश्न मनाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग की योजना बनाई है। 30 जनवरी को मुंबई में ये खास आयोजन होगा जिसका हिस्सा निर्माता, निर्देशक और क्रू मेंबर समेत फिल्म कलाकार बनेंगे जिसमें आमिर, कुणाल कपूर, सोहा अली खान, सिद्धार्थ सूर्यनारायण और अतुल कुलकर्णी शामिल हैं।रंग दे बंसती साल 2006 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी जिसे सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 2007 के बाफ्टा पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए नामांकन भी हासिल कर चुकी है।

साधारण गुलाबी टॉप को इन तरीकों से कर सकती हैं स्टाइल, हर मौके पर लगेंगी सुंदर

गुलाबी रंग हमेशा से महिलाओं में लोकप्रिय रहा है। इस रंग के कपड़े हर रंगत वाली महिला के ऊपर अच्छे लगते हैं। हर महिला की अलमारी में कोई न कोई साधारण गुलाबी टॉप जरूर होता है, जिसे कई तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको गुलाबी टॉप को स्टाइल करने के 5 बेहतरीन तरीके बताएंगे। इन्हें अपनाकर आप हर मौके और अवसर पर इसे पहन सकेंगी और सुंदर दिखेंगी। साधारण गुलाबी टॉप को जींस के साथ पहनना हमेशा एक अच्छा विकल्प होता है। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक स्टाइलिश लुक भी दे सकता है। आप इसके साथ सफेद या हल्के नीले रंग की जींस पहन सकती हैं। यह आउटफिट खास तौर से कॉलेज जाने या मूवी डेट आदि के लिए बढ़िया रहता है। इसके साथ आप सफेद जूते या चप्पलें पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पूरा हो जाएगा।

स्कर्ट के साथ उत्सव वाला लुक

अगर आप किसी त्योहार या पार्टी में जाने वाली हैं तो गुलाबी टॉप को लंबी स्कर्ट के साथ पेयर करें। यह मेल आपको एक खास अंदाज देगा, जो पारंपरिक और आधुनिक लुक का मेल होगा। आप इस आउटफिट को स्टाइल करने के लिए छोटे ऑक्सीडाइज्ड झुमके और कड़े भी पहन सकती हैं। आप सफेद या पीले जैसे रंगों वाली स्कर्ट चुन सकती हैं, जो गुलाबी रंग को कॉम्पलिमेंट करती हो। इसके साथ आप स्कार्फ या दुपट्टा भी ओढ़ सकती हैं।

शॉर्ट्स के साथ गर्मियों वाला लुक

गर्मियों में गुलाबी टॉप के साथ शॉर्ट्स पहनकर आपको स्टाइलिश और कूल लुक मिल जाएगा। टॉप को डेनिम शॉर्ट्स के साथ पहनें या फिर कॉटन के शॉर्ट्स के साथ स्टाइल करें। इस आउटफिट में आपको गर्मी नहीं महसूस होगी और आप आरामदायक भी रहेंगी। इसके साथ आप फ्लिप फ्लॉप या सैंडल पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पूरा हो जाएगा। यह कैजुअल लुक घूमने जाने के लिए बढ़िया रहेगा और कॉलेज के लिए भी आदर्श होगा।

ब्लेजर के साथ ऑफिस वाला लुक

अगर आप ऑफिस जाती हैं और चाहती हैं कि आपका लुक पेशेवर लगे तो गुलाबी टॉप को ब्लेजर के साथ कैरी करें। इस आउटफिट के लिए आप काले, सफेद या ग्रे रंग का ब्लेजर चुन सकती हैं, जो पेशेवर लगेगा। इसके साथ आप कॉटन की पैंट या पेंसिल स्कर्ट पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। पैरों में किटन हील पहनें, ताकि आप थोड़ी लंबी लगें और आकर्षक भी दिखाई दें।

धोती पैंट के साथ पारंपरिक लुक

धोती पैंट के साथ भी गुलाबी टॉप स्टाइल किया जा सकता है। इसे पहनकर आप पारंपरिक और आधुनिकता का बेहतरीन मेल बना सकती हैं। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि एक अनोखा रूप भी देता है। इसके साथ आप हल्के गहने पहनकर अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं। इस तरह आप एक ही गुलाबी टॉप में हर मौके पर अलग-अलग अंदाज में नजर आ सकती हैं।

रेजिन आर्ट की शुरुआत करने के लिए खरीदें ये 5 चीजें, होती हैं जरूरी

रेजिन आर्ट एक ऐसी रचनात्मक कला है, जो आपको अपने विचारों और कल्पनाशक्ति को साकार करने का मौका देती है। इसमें आप फूल जैसी चीजों को रेजिन पदार्थ की मदद से हमेशा के लिए प्रिजर्व कर सकते हैं। इसे करने के लिए कुछ खास चीजों की जरूरत होती है, जो रेजिन उत्पादों को रूप देने में मदद करती हैं। अगर आपको यह कला सीखनी है तो आपको सबसे पहले ये 5 चीजें खरीदनी चाहिए।

अच्छी गुणवत्ता वाली रेजिन

रेजिन आर्ट के लिए सबसे जरूरी चीज होती है रेजिन। बाजार में कई तरह की रेजिन मिलती हैं, लेकिन अच्छी गुणवत्ता वाली रेजिन का चयन करना बेहतर परिणाम देगा। यह न केवल आपके उत्पादों को लंबे समय तक टिकाऊ बना सकती है, बल्कि उन्हें साफ भी दिखा सकती है। अच्छी गुणवत्ता वाली रेजिन का उपयोग करने से आपके उत्पाद में कोई बुलबुले नहीं आएंगे और उसकी फिनिशिंग बहुत ही बढ़िया लगेगी।

मोल्ड

मोल्ड रेजिन आर्ट के सबसे जरूरी उपकरणों में से एक हैं। ये अलग-अलग आकार और डिजाइन बनाने में मदद करते हैं। बाजार में कई तरह के सिलिकॉन मोल्ड मिलते हैं, जो बहुत ही लचीले होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। इन मोल्ड की मदद से आप गहने, की-चेन, कोस्टर और फ्रेम आदि बना सकते हैं। इसके अलावा आप अपने खुद के अनोखे डिजाइन भी बाजार से बनवा सकते हैं।

रंग और ग्लिटर

अगर आप अपने रेजिन उत्पादों में रंग जोड़ना चाहते हैं तो आपको अलग-अलग रंगों और ग्लिटर की जरूरत होगी। आप एक्रिलिक पेंट, पाउडर पेंट या स्प्रे पेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो रेजिन के साथ अच्छी तरह से मिलते हैं। इसके अलावा चमक के लिए आप ग्लिटर इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे एक खास स्पर्श जुड़ जाएगा। रंगों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे रेजिन के साथ मेल खाएं, ताकि आपका उत्पाद खराब न हो।

उपकरण सेट

रेजिन आर्ट करते समय अलग-अलग प्रकार के उपकरणों की जरूरत होती है। इनमें स्पैटुला, पिंचर्स और ब्रश आदि शामिल होते हैं। ये उपकरण रेजिन को सही तरीके से फैलाने, आकार देने और साफ-सुथरा रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा रेजिन को सेट करने यानि सुखाने के लिए भी खास उपकरण उपलब्ध रहते हैं। इन उपकरणों की मदद से आप अपने रेजिन उत्पादों को बेहतरीन बना सकते हैं।

सुरक्षा उपकरण

रेजिन आर्ट करते समय सुरक्षा उपकरण पहनना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि रेजिन रासायनिक तत्वों से बनी होती है। इसमें कुछ हानिकारक तत्व हो सकते हैं, जो त्वचा पर लग कर या सांस से प्रवेश करके बीमारी का कारण बन सकते हैं। इसके दौरान हमेशा मास्क, दस्ताने और चश्मा पहनें, ताकि आप सुरक्षित रहें। इन सभी चीजों के साथ-साथ थोड़ी अभ्यास और रचनात्मकता आपके रेजिन आर्ट अनुभव को बेहतरीन बना देंगी।

मोना सिंह महिलाओं को एक्सपायरी डेट मिलने पर बोलीं- मुझे उम्र की परवाह नहीं

जस्सी जैसी कोई नहीं टीवी शो से लोकप्रिय हुईं मोना सिंह इन दिनों धड़ाधड़ फिल्में और सीरीज कर रही हैं। हाल ही में उन्हें बॉर्डर 2 और हैप्पी पटेल जैसी फिल्मों में देखा गया। अब उनकी सीरीज कोहरा 2 नेटफ्लिक्स पर आने के लिए तैयार है। प्रमोशन के दौरान 40 वर्षीय मोना ने पर्दे पर 50 और 60 साल की उम्र के किरदार पर बात की। साथ ही सिनेमा जगत में महिलाओं को एक्सपायरी डेट दिए जाने पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री बोलीं, मुझे पर्दे पर अपनी उम्र की परवाह नहीं। सच में नहीं, क्योंकि मैं बहुत आत्मविश्वासी हूं और मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है, इसीलिए मैं जोखिम लेती रहती हूं। लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं, आप पर्दे पर इतनी उम्रदराज क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये वो किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं। ये मुझे उत्साहित करता है। उन्होंने आगे कहा, सिनेमा में महिलाओं के लिए एक समय सीमा तय कर दी जाती है। ये बेहद दुखद है। 60 साल के अभिनेता अभी भी रोमांटिक मुख्य किरदार निभा सकते हैं, लेकिन अभिनेत्रियां नहीं। हालांकि मुझ इसकी परवाह नहीं क्योंकि मैं वैसी बनना ही नहीं चाहती थी।

द 50 का प्रोमो जारी, 50 दिन के खेल में पहले दिन आपस में भिड़े प्रतियोगी

कलर्स टीवी और जियोहॉटस्टार नया रियलिटी शो द 50 ला रहा है जिसका क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। शो में 50 मशहूर हस्तियां हिस्सा ले रही हैं जिनके नाम तो पहले ही आए गए थे। नए प्रोमो में उन्हें लॉयन के घर में प्रवेश करते दिखाया गया। 50 दिन चलने वाले इस शो में प्रतियोंगियों को मानसिक और शारीरिक चुनौतियों का सामना करना होगा। प्रोमो में पहले ही दिन सितारों को आपस में झगड़ते देखा गया है। प्रोमो में लॉयन के आलीशान महल को दिखाया गया है जहां सभी 50 प्रतियोगियों को रहते हुए गेम खेलना होगा।

सू- दोकू क्र.301

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.300का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -301

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 300 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

डॉन 3 को ठंडे बस्ते में डालकर इस फिल्म में जुटे फरहान अख्तर

फरहान अख्तर की डॉन 3 का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। रणवीर सिंह के अचानक पीछे हटने के बाद फिल्म फिर ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। बीच में खबर थी कि फिल्म के लिए ऋतिक रोशन और शाहरुख खान से बातचीत चल रही है, लेकिन अब चर्चा है कि फरहान इससे ध्यान हटाकर अपनी दूसरी परियोजना पर काम शुरू करना चाहते हैं। वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जी ले जरा पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान को लगता है कि डॉन 3 की कास्टिंग होना जरूरी है, लेकिन वह आश्वत होना चाहते हैं कि इस भूमिका को कौन निभाएगा। यह एक लंबी प्रक्रिया होगी।

चिरमिरी को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली साजा पहाड़ सड़क मार्ग चढ़ी भ्रष्टाचार की भेट

40 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण हो रही सड़क के पुल में दरारें, घटिया निर्माण का कारोबार

ठेकेदार की मनमानी या सिस्टम की चुप्पी. कमीशन का खेल. चल रहा साय साय

एबी,सिद्दीकी

चिरमिरी। साजा पहाड़ मनेंद्रगढ़ से चिरमिरी चौड़ी करण सड़क और पुलों के निर्माण में हो रही भारी अनियमितताओं ने जिले में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर 40 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली मुख्य सड़क के निर्माण कार्य के पूरा होने से पहले ही पुल में दरारें नजर आने लगी हैं, तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बनी ग्रामीण सड़क कुछ ही दिनों में जर्जर हो चुकी है ।

40.56 करोड़ की सड़क, निर्माण अधूरा-पुल में दरारें:-

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी को जोड़ने वाली 17.40 किलोमीटर लंबी साजापहाड़-चैनपुर सड़क के चौड़ीकरण कार्य में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। करीब 40.56 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे इस कार्य में चैनपुर से लेकर चिरमिरी के पंडित दीनदयाल चौक तक सड़क एवं पुल निर्माण किया जा रहा है ।

इस कार्य में हैरानी की बात यह है कि निर्माण पूरा होने से पहले ही पुल में दरारें पड़ गई हैं, जिससे ठेकेदार की कार्यशैली और निर्माण गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। यह कार्य जून 2025 में शुरू हुआ था। स्थानीय नागरिकों और विशेषज्ञों का आरोप है कि सड़क के बेस निर्माण में जंगल और पहाड़ों की मिट्टी को काटकर सीधे भराई की जा रही है, जिससे सड़क की नींव कमजोर हो रही है। लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह सड़क जल्द ध्वस्त हो सकती है, जिससे बड़े हादसों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता । स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह कार्य सूरजपुर निवासी ठेकेदार अमित गोयल द्वारा कराया जा रहा है। जब इस संबंध में ठेकेदार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने जवाब देना उचित नहीं समझा- जो अपने आप में कई सवाल खड़े करता है ।

पीएमजीएसवाई सड़क 1.68 करोड़ खर्च, 10 दिन में बदहाल

इसी जिले के ग्राम पंचायत बौरीडांड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1.68 करोड़ रुपये की लागत से बनी 3.50 किलोमीटर लंबी सड़क कुछ ही दिनों में जर्जर हो गई। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण की जिम्मेदारी ठेकेदार बालमुकुंद खेड़िया के पास थी। शुरुआत से ही घटिया सामग्री और कमजोर बेस को लेकर सवाल उठते रहे, लेकिन न तो ठेकेदार ने सुधार किया और न ही विभाग ने समय रहते कोई कार्रवाई की। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि खबर सामने आने के 10 दिन बाद भी न सड़क की मरम्मत शुरू हुई और न ही किसी जिम्मेदार पर कार्रवाई हुई, जिससे विभागीय दावों की पोल खुलती नजर आ रही है।

जनता के टैक्स की लूट किसके संरक्षण में...?

यह मामला सिर्फ सड़क या पुल का नहीं, बल्कि जनता के टैक्स से जुटाई गई गाढ़ी कमाई के खुले दुरुपयोग का है । सुशासन की बात करती सरकार को ऐसे ठेकेदार और लापरवाह अधिकारी बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं ।

अब सवाल साफ हैं -

की घटिया निर्माण के लिए दोषी ठेकेदारों पर कार्रवाई कब होगी.....? निर्माण गुणवत्ता की स्वतंत्र तकनीकी जांच क्यों नहीं कराई जा रही... ?

क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है...?

हम शासन-प्रशासन से मांग करते हैं:- सभी निर्माण कार्यों की तकनीकी और गुणवत्ता जांच कराई जाए। दोषी ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। जनता की गाढ़ी कमाई को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने से रोका जाए । अब देखना होगा कि संबंधित विभागीय अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं ।

क्षमता निर्माण के तहत जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण दिया गया कर्मियों को

कोरिया बैकुंठपुर। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण समाज में तेजी से बढ़ रही मनोवैज्ञानिक समस्याओं को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा गंभीर पहल की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह एवं सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल के मार्गदर्शन में कपीसिटी बिल्डिंग (सामर्थ्य निर्माण) कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण स्थानीय रेस्टोरेंट, बैकुंठपुर (जिला कोरिया) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

यह प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया गया। 21 जनवरी 26, मंगलवार को चिकित्सा अधिकारी, आयुष चिकित्सा अधिकारी एवं आरएमए ने प्रशिक्षण में सहभागिता की। इसके पश्चात 22 जनवरी 26, बुधवार को जिला स्तरीय महिला आरएचओ ने प्रशिक्षण में भाग लिया। वहीं 23 जनवरी 26, गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, उचित प्रबंधन एवं सही उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करना रहा। प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मनोरोग मनोवैज्ञानिक डॉ. सुमन कुमार उपस्थित रहे। उनके साथ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुभाशीष करण एवं सहायक प्रशिक्षक के रूप में मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता पुलेंद्र कुमार मोहाले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. सुमन कुमार ने जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए न्यूरोटिक समस्याओं जैसे अवसाद, एंग्जायटी डिसऑर्डर, समाटोफॉर्म डिसऑर्डर पर प्रकाश डाला। साथ ही बच्चों एवं किशोरों में पाई जाने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एडीएचडी, लर्निंग डिसेबिलिटी तथा मोबाइल एडिक्शन के संकेत, कारण एवं उपचार के विषय में विस्तार से समझाया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि मनोवैज्ञानिक समस्याएं शारीरिक रोगों से अलग होती हैं तथा इनके उपचार में केवल दवाइयों के साथ-साथ साइकोथेरेपी एवं काउंसलिंग अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने आमजन को झोलाछाप चिकित्सकों अथवा अवैध मनोवैज्ञानिकों के पास न जाने की सलाह दी। चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुभाशीष करण द्वारा सायकोटिक समस्याओं जैसे स्किज़ोफ्रेनिया एवं मेनिया के लक्षण, कारण एवं उपचार की जानकारी दी गई। वहीं मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता पुलेंद्र कुमार मोहाले ने छत्तीसगढ़ में प्रमुख नशों—विशेषकर शराब एवं तंबाकू—से होने वाले मानसिक नुकसान एवं उनके प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण के दौरान सीएचओ टीम द्वारा लघु नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से मानसिक रोगों से जुड़े मिथकों, उनकी वास्तविकता एवं उपचार के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को भारत सरकार द्वारा संचालित नि:शुल्क टेली-मानस सेवा के हेल्पलाइन नंबर 14416 की जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि जिला चिकित्सालय कोरिया में ओपीडी नंबर 9 एवं 13 के माध्यम से मानसिक रोगों हेतु दवा, साइकोथेरेपी एवं काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध है। इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में जिला कार्यक्रम प्रबंधक अशरफ अंसारी, जिला नोडल अधिकारी डॉ. कार्तिकेय सिंह, डीटीसी राकेश सिंह एवं एनएमएचपी टीम कोरिया का सराहनीय सहयोग रहा।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की रोल ऑब्जर्वर ने की समीक्षा

कोरिया बैकुंठपुर। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जिले के लिए नियुक्त रोल ऑब्जर्वर मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, बैकुंठपुर में पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान रोल ऑब्जर्वर ने कोरिया जिले में तहसीलवार तार्किक त्रुटियों (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) से जुड़े प्रकरणों की क्लस्टर स्तर पर की जा रही सुनवाई, दस्तावेजों के परीक्षण तथा फॉर्म-6 एवं फॉर्म-7 के ऑनलाइन निराकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी ली। साथ ही तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा संपादित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रोल ऑब्जर्वर ने निर्देशित किया कि निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि मतदाता सूची त्रुटिरहित एवं अद्यतन हो सके। रोल आब्जर्वर मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने मतदान केंद्र 144 सुरमी तथा मतदान केंद्र 118 चेर पहुंचकर बीएलओ से एसाईआर के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की तथा किए जा रहे कार्यों के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की और विभिन्न विषयों पर दिशा निर्देश दिए।

बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण अधिकारियों ने दिए आवश्यक निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर। 29 जनवरी 26 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे एवं एसडीओपी राजेश साहू द्वारा थाना बैकुंठपुर पुलिस स्टाफ के साथ नगर क्षेत्र अंतर्गत स्थित विभिन्न बैंकों का सुरक्षागत दृष्टिकोण से औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, गार्ड की उपलब्धता तथा सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान सहकारी बैंक में लोगों की अत्यधिक भीड़ पाई गई। बैंक परिसर में ग्राहकों की अव्यवस्थित भीड़ को देखते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही उपस्थित लोगों को टोकन प्रणाली के अनुसार लाइन में खड़े रहने की समझाइश दी। साथ ही बैंक में तैनात गार्ड को वर्दी में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने तथा ग्राहकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से लाइन में खड़ा कराने के निर्देश दिए गए। बैंक में आए समस्त ग्राहकों को भी अपने पैसों को संभालकर रखने, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति से सतर्क रहने एवं लेन-देन के दौरान सावधानी बरतने की अपील की गई। इसके पश्चात अधिकारियों द्वारा पंजाब नेशनल बैंक का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैंक में सुरक्षा गार्ड अनुपस्थित पाया गया। इस संबंध में जब ग्राहकों से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि बैंक प्रबंधन द्वारा ग्राहकों का विशेष ध्यान रखा जाता है, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग काउंटर की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। बावजूद इसके, अधिकारियों ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से गार्ड की उपस्थिति को आवश्यक बताया। इसी क्रम में सेंट्रल बैंक का निरीक्षण किया गया, जहां बैंक में सुरक्षा गार्ड उपलब्ध नहीं पाया गया। हालांकि बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में पाए गए। अधिकारियों ने बैंक मैनेजर को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति के लिए शीघ्र प्रतिवेदन भेजें एवं उच्च अधिकारियों से समन्वय कर गार्ड की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पूर्व में सेंट्रल बैंक के सामने लूट की घटनाएं घटित हो चुकी हैं, जिसके कारण यहां सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना आवश्यक है। निरीक्षण के अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली बैकुंठपुर एवं यातायात प्रभारी बैकुंठपुर को निर्देशित किया गया कि बैंक क्षेत्रों में लगातार सघन पेट्रोलिंग की जाए। साथ ही बैंकों के आसपास बेतरतीब खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाए, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना को रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों द्वारा किए गए इस औचक निरीक्षण से बैंक प्रबंधन एवं आम नागरिकों में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ी है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण जारी रहेंगे, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

अवार्ड मिलने पर एसपी को बधाई दी

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे को उनके उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर जिले भर में हर्ष का माहौल है। इसी क्रम में डॉ शर्मा हॉस्पिटल के प्रमुख एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ राकेश शर्मा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर श्री कुर्रे से मुलाकात की और उन्हें इस प्रतिष्ठित उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ राकेश शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति पुरस्कार मिलना न केवल रवि कुर्रे के लिए, बल्कि पूरे कोरिया जिले के लिए गर्व की बात है।

पूर्व जिलाध्यक्ष को पश्चिम बंगाल चुनाव की जिम्मेदारी मिली

कोरिया बैकुंठपुर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष और विभिन्न दायित्व में लंबे समय से कार्य का अनुभव रखने वाले भाजपा नेता कृष्ण बिहारी जायसवाल को प्रदेश संगठन द्वारा पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में प्रवासी के रूप में कार्य करने हेतु चयनित किया है। ज्ञात हो कि कृष्ण बिहारी जायसवाल लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न दायित्व में कार्य कर चुके हैं।उनके जिला अध्यक्ष कार्यकाल में पार्टी ने स्थानीय एवं विधानसभा चुनाव में अच्छी सफलता प्राप्त की थी चुनाव संचालन का बेहतर अनुभव होने के कारण पश्चिम बंगाल चुनाव में जिन क्षेत्रों में भी श्री जायसवाल को पार्टी द्वारा कार्य में लगाया जाएगा निश्चय ही ऐसे क्षेत्रों में पार्टी को अवश्य लाभ मिलेगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने श्री जायसवाल को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए जिले के कार्यकर्ताओं के लिए इसे गौरव का विषय बताया है। जिले भर के कार्यकर्ताओं द्वारा श्री जायसवाल को पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में कार्य करने पर अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

एसडीएम के निरीक्षण दल ने इमारती लकड़ी से भरे वाहन को किया जब्त

बलरामपुर। वन परिक्षेत्र धमनी अंतर्गत ग्राम चेरा में शुक्रवार 30 जनवरी 2026 की तड़के एसडीएम रामानुजगंज की सूचना एवं निर्देश पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से परिवहन की जा रही इमारती लकड़ी जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन क्रमांक क्क64 ष्ट्र्र 6598 से साल लकड़ी के लट्ठे 05 नग (1.909 घन मीटर) बरामद किए गए, जिन्हें वाहन सहित जब्त किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह करीब 5 बजे एसडीएम रामानुजगंज की टीम द्वारा अवैध धान परिवहन की आशंका पर एक पिकअप वाहन का पीछा किया गया। वाहन चालक पिकअप को ग्राम चेरा निवासी श्रवण यादव के घर के परछी में खड़ा कर मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान पिकअप में भूसे के नीचे छिपाकर रखी गई इमारती साल लकड़ी पाई गई।

जब्त पिकअप वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 7 लाख रुपये, जबकि जब्त वनोपज की कीमत करीब 80 हजार रुपये आंकी गई है।

प्रकरण में जब्त वाहन एवं वनोपज को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1)(क), धारा 41(3), मध्यप्रदेश अभिवहन (वनोपज) नियम 2000 के नियम 3, एवं मध्यप्रदेश व्यापार विनियमन अधिनियम 1969 की धारा 5(1) के तहत राजसात करने की कार्रवाई प्रस्तावित करते हुए प्रकरण को विवेचना में लिया गया है।

पीएचई सचिव ने ली जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन से संबंधित समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता संजय सिंह, अधीक्षण अभियंता प्रमोद सिंह कतलम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर नियमित शुद्ध पेयजल आपूर्ति, नल कनेक्शनों की प्रगति, तकनीकी गुणवत्ता, सोलर आधारित जल प्रदाय योजनाओं तथा जल स्रोतों की स्थिरता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के सख्त निर्देश दिए। सचिव श्री हक ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को व्यक्तिगत नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, लापरवाह ठेकेदारों पर कार्रवाई करने तथा फील्ड निरीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में पानी की शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु फील्ड टेस्ट किट से नियमित जांच, पानी की टंकियों की सफाई, क्लोरीनेशन, आरसीसी टंकियों एवं वितरण प्रणाली के तकनीकी निरीक्षण पर भी चर्चा की गई। साथ ही नल-जल मित्रों के प्रशिक्षण और जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर जोर दिया गया।

सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता में ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए जनपद पंचायत सीईओ को सरपंच-सचिव के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अपशिष्ट जल प्रबंधन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, क्रेडा, ऊर्जा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बालू में दबा मिला अज्ञात शव

बलरामपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सतीसेमर गांव के समीप सेंदुर नदी में रेत के नीचे दबा एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गुरुवार शाम ग्रामीणों द्वारा शव देखे जाने के बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम के साथ घटना स्थल की बारीकी से जांच शुरू की।

20 हजार 383 किसानों के खातों में 284 करोड़ रुपये अंतरित

समर्थन मूल्य पर 12.01 लाख क्विंटल धान की खरीदी, 45 करोड़ रुपये की ऋण वसूली

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में चालू खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान उपार्जन कार्य की अंतिम तिथि शुक्रवार को समाप्त हुई। 15 नवंबर से 30 जनवरी तक की अवधि में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले 20 हजार 383 किसानों से 12.01 लाख क्विंटल धान की खरीदी की गई। इसके एवज में किसानों के खातों में 284 करोड़ 60 लाख रुपये अंतरित किए गए। उपार्जन अवधि के दौरान किसानों को वितरित किए गए ऋण के विरुद्ध 45 करोड़ 05 लाख रुपये की वसूली भी की गई है। जिले में इस खरीफ विपणन वर्ष के लिए कुल 23 हजार 265 किसान पंजीकृत हैं। धान उपार्जन का कार्य जिले के 21 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किया गया। प्रशासन द्वारा उपार्जन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

धान खरीदी की अवधि बढ़ाने और मनरेगा को बनाए रखने कांग्रेस का प्रदर्शन

कोरिया बैकुंठपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को उसके मूल अधिकार आधारित स्वरूप में बहाल किए जाने तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश में धान खरीदी की समय-सीमा 15 फरवरी तक बढ़ाए जाने की मांग को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के नेतृत्व में कुमार चौक पर सांकेतिक धरना प्रदर्शन एवं चक्काजाम किया गया।

धरना प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के मूल स्वरूप में किए जा रहे बदलावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की मनरेगा को एक अधिकार आधारित कानून से हटाकर प्रशासनिक योजना के रूप में सीमित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण श्रमिकों के काम के अधिकार को कमजोर किया जा रहा है। मजदूरी निर्धारण एवं भुगतान में अनिश्चितता बढ़ रही है, पंचायतों एवं ग्राम सभाओं के संवैधानिक अधिकारों में कटौती की जा रही है तथा ठेकेदारी व्यवस्था को बढ़ावा देकर श्रमिकों का शोषण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में धान खरीदी की प्रक्रिया भी गंभीर अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। प्रदेश के अनेक खरीदी केंद्रों में धान खरीदी अत्यंत धीमी गति से हो रही है। बड़ी संख्या में किसानों को अब तक टोकन जारी नहीं किए गए हैं, जिसके कारण अनेक किसान अपनी उपज बेचने से वंचित रह गए हैं। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने स्पष्ट किया कि यदि धान खरीदी की निर्धारित तिथि में वृद्धि नहीं की गई, तो प्रदेश के हजारों किसान अपनी उपज बेचने से वंचित रह जाएंगे। पंचायतों एवं ग्राम सभाओं को पूर्व की भांति संपूर्ण अधिकार प्रदान किए जाएं किसानों के हित में राज्य सरकार को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएं, ताकि धान खरीदी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके और किसानों को राहत मिल सके। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष नजीर अजहर,पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, प्रदेश संयुक्त महामंत्री वेदांती तिवारी, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, महामंत्री बृजवासी तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े, अजीत लकड़ा, आशीष यादव एवं भारी संख्या में अनेकों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

अतिक्रमण और कई समस्याओं ने घेरा बस स्टैंड को, एक्शन नहीं

यार्ड समझ कंडम गाड़ियों को रख भूल गए मालिक, व्यवस्था बाधित

कोरबा। नगर का डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी बस स्टैंड बनाया तो यात्रियों और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स की सुविधाओं के लिए है लेकिन यहां पर समस्याओं का बोलबाला कुछ ज्यादा है। अरसे से कई प्रकार की परेशानियां व्यवस्थाओं को बाधित करने का कारण बनी हुई है। प्रशासन, नगर निगम और परिवहन विभाग की जानकारी में तमाम चीज हैं लेकिन समाधान के रास्ते कहीं से नहीं है। मौके पर ठेला गुमटियों की अतिक्रमण के कारण परेशानियां ज्यादा है।

विभाजित मध्य प्रदेश के समय कोरबा में विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण काम कर रहा था, तब डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से यहां पर बस स्टैंड और यात्री प्रतीक्षालय की बेहतर व्यवस्था की गई। मध्य प्रदेश राज्य परिवहन निगम की बसें यहां से संचालित होती रही। वर्तमान स्थिति में छत्तीसगढ़ सहित बिहार, झारखंड, उड़ीसा और दक्षिण छत्तीसगढ़ के सीमांत क्षेत्र के लिए यात्री बसों का संचालन यहां से हो रहा है। इनकी संख्या 80 के आसपास बताई जाती है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस व्यवसाय से सैकड़ो परिवारों के जीविका निर्धारित होती है जो प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से इस व्यवसाय का हिस्सा है।

कोरबा के इस बस स्टैंड को देखने से एक बार भी ऐसा लगता है कि इसकी संरचना किसी मुख्य मार्ग पर कर दी गई है। दुपहिया चार पहिया से लेकर अधिक

डीएसपीएम बस स्टैंड का नजारा, इनसेट में ब्रेकडाउन गाड़ियां।

सभी प्रकार की गाड़ियों का परिचालन दिनभर होने से तस्वीर कुछ ऐसी दिखाई देती है। ऊपर से बस स्टैंड के बड़े हिस्से में ठेले गुमटियों की बहार है। इस वजह से समस्याओं में बढ़ोतरी हो रही है। जहां-था ऐसे नमूने होने के कारण बसों को निकालने में स्टाफ को दिक्कतों से 2-4 होना पड़ता है। बस स्टैंड में कंडोम गाड़ियों की लंबे समय से उपस्थिति भी यहां की व्यवस्था को प्रभावित करने में अपनी भूमिका निभा रही है। हालात ऐसे हैं कि लंबे अरसे से कई ब्रेकडाउन गाड़ियों को यहां पर खड़ा कर दिया गया है। कहना गलत नहीं होगा कि संबंधित वाहन मालिकों ने नगर निगम के इस बस स्टैंड को अपना निजी यार्ड समझ रखा है और वह भरपूर दुरुपयोग करने में लगे हुए। ना तो ऐसी गाड़ियों को मौके से हटाने में अधिकारी रुचि ले रहे हैं और ना ही इन्हें अपने कब्जे में लिया जा रहा है।

पर्याप्त नहीं प्रकाश और पानी की व्यवस्था

कोरबा के इस बस स्टैंड से रोजाना हजारों की संख्या में यात्रियों का आना जाना अलग-अलग मार्गों पर होता है। इस लिहाज से बुनियादी सुविधाओं की कमी साफ बनी हुई है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों ने बताया कि यात्रियों को यहां वहां से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। बार-बार ध्यान आकर्षण के बाद भी मसले जस की तस है।

हर रोज निकलती है शराब की बोतलें

अराजक तत्वों के लिए बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय वाला हिस्सा शाम ढलने के बाद अपनी जरूरत बन जाता है। खबर के अनुसार यहां रात में जमकर शराबखोरी होती है। प्रमाण इस बात से मिलता है कि हर सुबह लगभग एक बोरी भर के शराब की खाली बोतल है यहां के अलग-अलग हिस्से से प्राप्त होती हैं। कबाड़ बीनने वाले लंबे समय से इस तरह की बोतलों को इकट्ठा करने के साथ मजबूत हो रहे हैं।

दावा नही, काम करें अधिकारी

बस स्टैंड की व्यवस्था से जुड़े हुए लोगों का कहना है कि स्वच्छता से लेकर दूसरे मामलों में बड़े-बड़े दावे जरूर किया जा रहे हैं लेकिन यहां पर जिस तरह की तस्वीर है, वह अलग कहानी कहती है। हमने स्थानीय समस्या को लेकर मौखिक और लिखित रूप से अधिकारियों को अवगत कराया है। हम लगातार कार्यवाही का इंतजार कर रहे हैं लेकिन ऐसा कुछ हो नहीं रहा है। हम चाहते हैं की दावा से कहीं ज्यादा काम होना चाहिए।

प्रीमियम दुकान बंद करने हुआ प्रदर्शन

कोरबा। ट्रांसपोर्ट नगर मुख्य मार्ग पर संचालित आबकारी विभाग की प्रीमियम शराब दुकान को बंद कराने की मांग को लेकर युवाओं ने प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि इसके आसपास अस्पताल, व्यवसायिक संस्थान और रिहायशी क्षेत्र है। आवागमन हमेशा होने से समस्याएं होती है।

ब्राह्मण परिवार करेगा सम्मान

कोरबा। एसईसीएल ब्राह्मण द्विज परिवार आज एआरसी क्लब में कोयला कामगार नवीन पांडेय का रिटायर्ड होने पर उनका सम्मान करेगा। यह सम्मान संरक्षक मनोरमा शर्मा, आईपी तिवारी, अध्यक्ष राजेश पांडेय के द्वारा की जाएगी। इस दौरान ब्राह्मण समाज के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे। इसके पहले केंद्रीय कर्मशाला कोरबा पूर्व में चार रिटायर्ड कर्मचारियों का सम्मान होगा। यह सम्मान अधिकारियों के साथ-साथ जेसीसी सदस्य दिलीप सिंह, राजेंद्र यादव, संतोष टंडन, दूजराम मिलन, राजेश पांडेय सहित अन्य सदस्यों के द्वारा की जाएगी।

भाजपा के दो मंडलों में होगी बैठक

कोरबा। भाजपा के जिला प्रभारी अनिल केशरवानी व सहप्रभारी बृजेंद्र शुक्ला कल से क्षेत्र के दौरे पर है। आज वे बालको व कोरबा मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। बालको में बैठक की तैयारी डिलेंद्र यादव, जय राठौर, राजा शर्मा के द्वारा की जा रही है। कोसाबाड़ी मंडल में राजेश राठौर, मिलाप राम, पुनीराम साहू के द्वारा तैयारी की जा रही है। विकसित भारत जी राम जी के कार्यकर्ताओं के द्वारा भी सभी मंडलों में अब बैठक होगी। जिला संयोजक चुलेश्वर राठौर ने बताया कि सभी मंडलों के कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा हुई है। सभी मंडलों में अलग-अलग बैठक होगी। जबकि कल कटघोरा मंडल में जिला प्रभारी अनिल केशरवानी के द्वारा बैठक ली गई। इस बैठक को सफल बनाने में अभिषेक गर्ग, समजीत सिंह, पीयूष अग्रवाल, रवि साहू, जय गर्ग, किशन केशरवानी, अनुराग दुहलानी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया।

मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

कोरबा। बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा लगातार पुराने पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग की जा रही है। राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल, प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ व कमल यादव के द्वारा मुख्यमंत्री से मुलाकात की गई और पुराने पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग की। इसके पहले एक प्रस्ताव विद्युत मंडल के अध्यक्ष को दिया गया। सभी मांगों को लेकर इकाईयों में भी प्रदर्शन किए गए हैं। कोरबा पश्चिम में अमर राठौर, अजय मिश्रा सहित अनेकों कार्यकर्ताओं ने आंदोलन चलाया है।

साधक गए बलौदाबाजार

कोरबा। सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा बलौदाबाजार में आज से साधना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस साधना शिविर में गुरुदेव अरविंद श्रीमाली के द्वारा गुरु दीक्षा व विशेष दीक्षा दी जाएगी। कोरबा जिले के भी सैकड़ों साधक बलौदा बाजार के लिए रवाना हुए हैं। इस साधना शिविर में पूरे छत्तीसगढ़ से साधक शामिल होंगे।

दमहामुड़ा में चर्च के लिए जमीन खरीदी पर तकरार, जनजातीय समाज नाराज

कोरबा। आदिवासी बाहुल्य कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत दमहामुड़ा में केरल की मिशनरी संस्था के द्वारा वर्मा सतनामी से जमीन की खरीदी की गई है। नामांतरण से पहले इस मामले में तकरार शुरू हो गई है। जनजातीय समाज ने इसे लेकर विरोध दर्ज कराया है। उच्च स्तर पर इस बारे में अवगत कराया गया है।

खबर के अनुसार पटवारी हल्का नं.-17 राजस्व निरीक्षक मंडल कोरबी के ग्राम दमहामुड़ा में विलिवर्स चर्च ऑफ इंडिया द्वारा बिशप डॉ. शामुएल मैथ्यू पिता श्री मैथ्यू निवासी कैथप्पाटालीन तहसील तिरुवल्ला जिला पत्तन्मथिट्टा केरल के द्वारा चर्च निर्माण के उद्देश्य से जमीन खरीदी गई है। संबंधित जमीन धनंजय कुमार वर्मा पिता रामलाल वर्मा जाति सतनामनी निवासी मंगला बिलासपुर जिला बिलासपुर की बताई गई है, जो दमहामुड़ा के खसरा नं. 143/3 में स्थित है और इसका रकबा 0.243 हे. है। बताया गया कि आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर अनावेदकगण राजलाल पिता भंजु वगैरह से दिनांक 4.5.2016 के आधार पर विलिवर्स चर्च ऑफ इंडिया के नाम पर क्रय किया गया है। आवेदक ने उक्त भूमि को छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत नामांतरण के लिए मामला नायब तहसीलदार कोर्ट में लगाया है। जानकारी मिली कि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में संबंधित जमीन की उपयोगिता विशिष्ट कार्य के लिए होने का पता चलने पर जनजातीय समाज ने विरोध शुरू कर दिया। दमहामुड़ा के सरपंच सहित यहां के 50 से अधिक लोगों व आसपास के कुछ और ग्रामीणों ने प्रशासनिक कार्यालय में आपत्ति दर्ज कराई। इसमें कुछ राजनीतिक दल भी शामिल बताए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक संगठनों को भी इस इलाके में चर्च निर्माण के लिए जमीन की खरीदी पर ऐतराज है। नायब तहसीलदार के यहां इस मामले में सुनवाई के लिए लोग चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि किसी भी कीमत पर हम अपने क्षेत्र में ऐसे किसी गतिविधि को नहीं होने देंगे।

आदिवासी संस्कृति पर आघात : मरकाम

जनजातीय संस्कृति और अन्य संबंधित मामलों के लिए बड़े क्षेत्र में काम कर रहे कार्यकर्ता वीएन मरकाम ने पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में चल रही इस तरह की हरकतों पर घोर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि आदिवासियों की संस्कृति और परंपरा पर आघात करने के लिए जमीन खरीदी की जानी घोर आपत्तिजनक है। उनका कहना है कि जिस इलाके में वन विशेष की उपस्थिति न के बराबर है वहां चर्च का औचित्य क्या? जमीन की खरीदी जिस संस्था के नाम पर की गई है वह अपने आपमें सवाल खड़ी करती है। हमने सरकार के उच्चाधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाई है। समाज भी विचार कर रहा है।

एग्रीस्टेक पोर्टल के 8990 किसान नहीं बेच सके धान

कोरबा। कोरबा जिले में समर्थन मूल्य पर चल रहा धान खरीदी अभियानबंद हो गया हैं। जानकारी के अनुसार आकांक्षी जिला कोरबा लगातार दूसरे वर्ष भी निर्धारित लक्ष्य से पीछे रह गया। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले को 31.19 लाख क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन 12.21 फीसदी की कमी के साथ जिला केवल 27,38,120.40 क्विंटल धान की ही खरीदी कर सका। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक चले इस अभियान में जिले की 41 समितियों के 65 उपार्जन केंद्रों में 43 हजार 566 किसानों ने समर्थन मूल्य पर 648 करोड़ 66 लाख 7 हजार 227.60 रुपए का धान बेचा। जबकि एग्रिस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत कुल 52,556 किसानों में से 8,990 किसान (17.10 फीसदी) धान बेचने उपार्जन केंद्र तक नहीं पहुंच सके। गत वर्ष 2024-25 की तुलना में भी स्थिति कमजोर रही। पिछले साल 29,15,548.80 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी, जबकि इस वर्ष 1,77,428 क्विंटल (6.08 फीसदी) कम खरीदी दर्ज की गई। वहीं किसानों की संख्या भी घटकर 861 कम रही। धान खरीदी में भैसमा उपार्जन केंद्र लगातार दूसरे वर्ष भी सिरमौर रहा, जहां 88 हजार 54.60 क्विंटल धान की खरीदी हुई।

31 जनवरी की स्थिति में खरीदे गए धान में से केवल 14,13,970 क्विंटल (51.64 फीसदी) का ही उठाव हो सका है। शेष 13,24,150.40 क्विंटल धान, जिसकी कीमत 304 करोड़ 55 लाख 45 हजार 920 रुपए है, जिले के 65 उपार्जन केंद्रों में जाम पड़ा हुआ है।

हाथियों को भाया मेरऊ पहाड़, काफी दिनों से डाले हैं डेरा

कोरबा। कटघोरा वनमंडल में मौजूद 49 हाथियों को जटगा वन परिक्षेत्र का मेरऊ पहाड़ काफी पसंद आ गया है। बांस एवं अन्य जंगली पौधों से आच्छांदित पहाड़ पर हाथियों को पर्याप्त मात्रा में चारा मिलने तथा पहाड़ पर ही कटोरी तालाब में पीने का पर्याप्त पानी होने की वजह से हाथियों ने यहां लंबे समय से डेरा डाल रखा है। हाथी रात भर अलग-अलग झुंडों में पहाड़ पर विचरण करते रहते हैं और सुबह होने से पहले एक स्थान पर एकत्रित होकर विश्राम करने लगते हैं। यह सिलसिला प्रतिदिन चलता है। हाथियों के काफी दिनों से पहाड़ पर होने के कारण वन विभाग की परेशानी कुछ कम हुई है फिर भी विभाग ड्रोन कैमरे व मैदानी अमले के जरिए लगातार हाथियों की निगरानी में लगी हुई है।

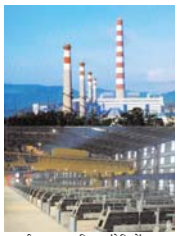

हाथियों के हर गतिविधियों क जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार दी जा रही है।

इधर कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में धरमजयगढ़ क्षेत्र से एक लोनर हाथी बीती रात दस्तक हो गई। लोनर हाथी ने रेंज के गीतकुंआरी गांव में एक ग्रामीण के बाड़ी में प्रवेश कर वहां लगे सब्जी के पौधों को तहस-नहस कर दिया। तत्पश्चात् फतेहपुर व गीतकुंआरी के बीच स्थित जंगल में जाकर विश्राम करने लगा है। कुदमुरा रेंजर बी.एस.पैकरा ने बताया है कि लोनर हाथी की निगरानी लगातार की जा रही है। गीतकुंआरी व आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है। इससे पहले हाटी क्षेत्र से एक अन्य लोनर हाथी चचिया क्षेत्र में भी पहुंचा था और यहां एक ग्रामीण के बाड़ी को उजाड़ने के बाद वापस लौट गया था। इस बीच 15 हाथियों की उपस्थिति पसरखेत रेंज के केराकछार में लगातार बनी हुई है।

डकैती और चोरी के मामलों में उलझी पुलिस, पूछताछ जारी

चाकू की नोंक पर की गई वारदात

कोरबा। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में अपराधों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने से पुलिस के सामने चुनौती है। डकैती और चोरी के हालिया मामलों को लेकर उलझी पुलिस ने संदेहियों को टारगेट किया है, पूछताछ जारी है लेकिन नतीजे दूर हैं।

नगर के एक च्वाइस सेंटर में घुसकर अराजक तत्वों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। वे यहां से नगदी रकम ले जाने में सफल रहे। इस दौरान चाकू की नोंक पर लोगों को धमकाया गया और फिर घटना की गई। इसी तरह दो ठिकानों से चोरों ने लंबा हाथ मारा। मौके से घरेलू सामाने के अलावा नगदी रकम पार कर दी गई। पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच जारी रखी है। अलग-अलग एंगल से मामलों की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही पुलिस का कहना है कि कई संदेहियों को यहां-वहां से धरा गया। इसमें कुछ पुराने रिकार्डधारी हैं और कुछ के बारे में अहम सूचनाएं मिली है। यह बात अलग है कि अब तक की पूछताछ में किसी ने भी संबंधित घटनाओं में अपनी भागीदारी से साफ इंकार किया।

बालको ने डिजिटल समाधान से स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को दी नई दिशा

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने संयंत्र और विभागों में डिजिटल तकनीक के उपयोग बढ़ावा दिया है। इसमें सप्लाई चेन, पॉटलाइन, कास्ट हाउस, रोल्ड प्रोडक्ट्स और कार्बन यूनिट शामिल हैं। इसका उद्देश्य काम को ज्यादा सुरक्षित, तेज, बेहतर गुणवत्ता वाला और पारदर्शी बनाना है। ये पहल प्रचालन दक्षता बढ़ाने, गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, सुरक्षा को मजबूत करने और सशक्त गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई हैं, जो कंपनी की जिम्मेदार एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं.

आज के समय में वैश्विक धातु उद्योग में डिजिटल तकनीक बहुत जरूरी हो गई है। बालको की यह पहल वेदांता के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत भविष्य के लिए तैयार प्रचालन प्रणालियाँ तकनीक आधारित इंटेलिजेंस पर आधारित होनी चाहिए। गुणवत्ता और ग्राहकों के भरोसे को मजबूत करने के लिए बालको ने 'क्वालिटी संकल्प ऐप' शुरू किया है। इस ऐप से कर्मचारी शॉपफ्लोर पर ही गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी रियल-टाइम में दर्ज कर सकते हैं। इससे समस्या को जल्दी पहचानकर तुरंत सुधार किया जा सकता है। इस ऐप में मशीनों की स्थिति और स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण (एचएसई) से जुड़ी जानकारियां भी दर्ज की जाती हैं। इससे प्रचालन उत्कृष्टता के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है। कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए बालको ने अपनी लैब और उत्पादन से जुड़ी कई प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया है। कोयला प्रयोगशाला को पूरी तरह डिजिटल कर दिया गया है, जिससे नमी, राख, सल्फर जैसे जरूरी टेस्ट अपने-आप रिकॉर्ड हो जाते हैं। इससे उत्पादन की गुणवत्ता और पर्यावरण से जुड़ा प्रदर्शन बेहतर होता है और सही फैसले लेने में मदद मिलती है। यह एकीकृत डिजिटल ढांचा संसाधन योजना, प्रक्रिया नियंत्रण और गवर्नेंस को सुदृढ़ करता है तथा संपूर्ण वैल्यू चेन में सूचित प्रचालन निर्णय लेने में सहायक बनता है. बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में डिजिटल तकनीक का मतलब सिर्फ नई मशीनें या सॉफ्टवेयर लाना नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, जिम्मेदारी और लगातार सुधार की संस्कृति बनाना है। इन पहलों से हमारी गुणवत्ता, सुरक्षा और गवर्नेंस मजबूत हुई है। वेदांता एल्युमिनियम का हिस्सा होने के नाते हम अपनी सभी प्रक्रियाओं में डिजिटल सिस्टम को शामिल कर रहे हैं ताकि भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार रह सकें.

सुरक्षा के क्षेत्र में बालको ने एक डिजिटल कन्सीक्वेंस मैनेजमेंट पोर्टल शुरू किया है, जिसमें असुरक्षित काम, गलत परिस्थितियों और जोखिमों की जानकारी दर्ज की जाती है। इससे खतरे को समय रहते पहचानकर उस पर कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही, 24म7 कर्मचारी व्यवहार निगरानी प्रणाली के जरिए काम और वाहनों की आवाजाही से जुड़े जोखिमों पर लगातार नजर रखी जाती है. इसके अलावा, बालको ने मेटल ऑपरेशंस में उत्पादन और खपत की जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑटोमेट कर दिया है। अब उत्पादन से जुड़ा डेटा तुरंत उपलब्ध हो जाता है, मैनुअल काम कम होता है और रिपोर्ट ज्यादा सही बनती है. इन सभी के माध्यम से बालको डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग कर प्रक्रियाओं के अनुकूलन, गुणवत्ता संवर्धन, गवर्नेंस सुदृढ़ीकरण और डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली के जरिये अपने कामकाज को ज्यादा सुरक्षित, सरल, पारदर्शी और प्रभावी बना रहा है.

उत्तराखंड का रिकार्ड तोड़ने के लिए नगर में तैयारी

कोरबा। स्वच्छता के लिए एक नया रिकार्ड स्थापित करने का प्रयास कोरबा कर रहा है। नगर निगम ने इसका जिम्मा लिया है। एक निश्चित तिथि पर लगभग 8 हजार लोग इकट्ठे होंगे और पोस्टर पर अपने हस्ताक्षर करेंगे। निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने बताया कि फिलहाल लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में ये उपलब्धि फिलहाल उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के नाम पर दर्ज है जहां एक ही दिन में 7 हजार 500 लोगों ने स्वच्छता को लेकर हस्ताक्षर किया और संकल्प लिया। हमने कोरबा में इस रिकार्ड को ब्रेक करने की योजना बनाई है। इस दिन लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड की टीम यहां पर मौजूद रहेगी।

शिव महापुराण कथा में सुनाई अवतारों की महिमा

कोरबा। वार्ड क्रमांक 1 मिशन रोड स्थित दादी धाम मंदिर परिसर के सामने दादी धाम सेवा समिति द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हो रही है। कथा वाचन आचार्य पंडित बालमुकुंद तिवारी द्वारा किया जा रहा है।

शुक्रवार को आयोजित कथा प्रसंग में आचार्य श्री तिवारी ने भगवान शिव के विविध अवतारों पर विस्तारपूर्वक कथा सुनाई। कथा में भगवान शिव के कल्याणकारी स्वरूप, अवतारों की महिमा एवं उनके आध्यात्मिक संदेशों का वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कथा उपरांत रामसागरपारा के वार्डवासियों द्वारा कथा वाचक आचार्य पंडित बालमुकुंद तिवारी को सप्रेम स्मृति चिन्ह एवं फोटो भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से चित्ररेखा चंदेल, आकांक्षा चंदेल, पूर्व पार्षद दीपा राठौर, लक्ष्मी चौहान, श्याम बाई नेताम, विमल जगत, संजना पटेल, भगवती मरावी, वैशाली मरावी, जगबाई मरावी, जय सिंह नेताम, विपेंद्र कुमार साहू, संतोष गुप्ता, हर्ष नेताम, लकेश्वर साहू एवं शेखर पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। दादी धाम सेवा समिति द्वारा आयोजित यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का सृजन कर रहा है, जिसमें प्रतिदिन श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com